



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 672]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 15, 2019/कार्तिक 24, 1941

No. 672]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 15, 2019/KARTIKA 24, 1941

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 2019

सा.का.नि. 854(अ).—केन्द्रीय सरकार, दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 (2016 का 31) की धारा 2 के खंड (ड) और धारा 79 की उपधारा (2) तथा उपधारा (14) के खण्ड (ग) और खण्ड (ड) तथा उपधारा (15) के खण्ड (ड) के साथ पठित धारा 239 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खंड (छ), खंड (ज), खंड (झ), खंड (ड), खंड (ढ) और खंड (ण) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है-

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.**—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दिवाला और शोधन अक्षमता (निगमित ऋणी के लिए व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाताओं हेतु दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए न्यायनिर्णयन प्राधिकारी को आवेदन) नियम, 2019 है।
(2) ये नियम 1 दिसंबर, 2019 से प्रवृत्त होंगे।
2. **लागू होना.**—ये नियम निगमित ऋणी के लिए व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाताओं हेतु दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए लागू होंगे।
3. **परिभाषाएं.**—(1) इन नियमों में, जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,-
(क) “न्यायनिर्णयन प्राधिकारी”
(i) धारा 60 के प्रयोजन हेतु कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 408 के अधीन गठित राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण; या
(ii) उप-खंड (i) से भिन्न मामलों में, ऋण वसूली और शोधन अक्षमता अधिनियम, 1993 (1993 का 51) की धारा 3 की उप-धारा (1क) के अधीन स्थापित ऋण वसूली अधिकरण अभिप्रेत है;
(ख) “संहिता” से दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 (2016 का 31) अभिप्रेत है;
(ग) “इलेक्ट्रॉनिक रूप” का अर्थ वही होगा जो सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (2000 का 21) की धारा 2 के खंड (द) में है;

- (घ) “प्ररूप” से इन नियमों के साथ संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है;
- (ङ) “प्रत्याभूतिदाता” से ऐसा देनदार अभिप्रेत है जो निगमित ऋणी का व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाता है और जिसके बारे में लेनदार द्वारा प्रत्याभूति मांगी गई है और वह पूर्णतः या अंशतः असंदत्त रहता है;
- (च) “धारा” से संहिता की धारा अभिप्रेत है;
- (छ) “तामील” से किसी भी साधन द्वारा जिसके अन्तर्गत रजिस्टर्ड पोस्ट, स्पीड पोस्ट, कोरियर या इलेक्ट्रॉनिक रूप भी हैं, द्वारा किया गया कोई संप्रेषण अभिप्रेत है जो ऐसे संप्रेषण की प्राप्ति की अभिस्वीकृति को प्रस्तुत करने या उत्पादन करने के लिए सक्षम है :

परंतु जहां कोई दस्तावेज़ किसी भी रीति से तामील नहीं किया जा सकता हो, उसे मकान या भवन के बाहरी द्वार या किसी अन्य सहजदृश्य भाग पर चिपकाया जाएगा जहां वह व्यक्ति सामान्यतः निवास करता है या अपने लाभ के लिए व्यापार या व्यक्तिगत रूप से कार्य करता है।

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं, और इन नियमों में परिभाषित नहीं हैं किंतु संहिता में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस संहिता में उनके हैं।

4. **संबंधी.**— धारा 79 की उपधारा (2) के स्पष्टीकरण के खंड (ii) के प्रयोजन हेतु संबंध की रीति का अर्थ वही होगा जैसा धारा 5 के खंड (24क) के स्पष्टीकरण में यथा-उपबंधित है।

5. **अपवर्जित आस्तियां.**— (1) धारा 79 की उप-धारा (14) के प्रयोजनों हेतु,-

(क) उक्त उपधारा के खंड (ग) के अधीन अविल्लंगमित वैयक्तिक आभूषणों का मूल्य एक लाख रुपये से अधिक नहीं होगा।

(ख) उक्त उप-धारा के खंड (ङ) के प्रयोजन हेतु, ऋणी के स्वामित्व में अविल्लंगमित एकल निवास एकक का मूल्य,-

(i) शहरी क्षेत्र में निवास एकक के मामले में बीस लाख रुपये से अधिक नहीं होगा;

(ii) ग्रामीण क्षेत्र में निवास एकक के मामले में दस लाख रुपये से अधिक नहीं होगा।

स्पष्टीकरण.— इस नियम के प्रयोजन हेतु,-

(क) “ग्रामीण क्षेत्र” का अर्थ वही होगा जो राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 (2005 का 42) की धारा 2 के खंड(ण) में दिया गया है;

(ख) “शहरी क्षेत्र” से ग्रामीण क्षेत्र से भिन्न कोई अन्य क्षेत्र अभिप्रेत है।

6. **प्रत्याभूतिदाता द्वारा आवेदन.**— (1) धारा 94 की उपधारा (1) के अधीन आवेदन दो हजार रुपये के आवेदन शुल्क के साथ प्ररूप-क में प्रस्तुत किया जाएगा।

(2) प्रत्याभूतिदाता प्रत्येक वित्तीय लेनदार और निगमित ऋणी जिसके लिए प्रत्याभूतिदाता व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाता है, को उप-नियम (1) में निर्दिष्ट आवेदन की प्रति तुरंत भेजेगा।

7. **लेनदार द्वारा आवेदन.**— (1) धारा 95 की उपधारा (4) के खंड (ख) के अधीन प्रत्याभूतिदाता को मांग नोटिस भेजा जाएगा जिसमें चूक रकम के भुगतान की मांग प्ररूप-ख में की जाएगी।

(2) धारा 95 की उपधारा (1) के अधीन आवेदन दो हजार रुपये के शुल्क के साथ प्ररूप ग में प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) लेनदार, प्रत्याभूतिदाता और निगमित ऋणी, जिसके लिए प्रत्याभूतिदाता व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाता है, को उप-नियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन की प्रति भेजेगा।

(4) संयुक्त आवेदन के मामले में, लेनदार अपने में से किसी एक का सभी लेनदारों की ओर से कार्रवाई करने के लिए नामनिर्दिष्ट कर सकते हैं।

8. **दिवाला वृत्तिक की पुष्टि या नामनिर्देशन.**— (1) बोर्ड धारा 97 की उप-धारा (2) और धारा 98 की उप-धारा (5) के प्रयोजनों हेतु, दिवाला वृत्तिकों का डाटाबेस जिसके अन्तर्गत उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के बारे में सूचना भी है, समय-समय पर, न्यायनिर्णयन प्राधिकारी के साथ साझा कर सकेगा।

(2) बोर्ड धारा 97 की उप-धारा (4) और धारा 98 की उप-धारा (3) के प्रयोजनों हेतु, दिवाला वृत्तिकों के पैनल जिन्हें समाधान वृत्तिकों के रूप में नियुक्त किया जा सके, को न्यायनिर्णयन प्राधिकारी के साथ साझा कर सकेगा।

9. आवेदन की प्रति.— आवेदक, धारा 94 की उपधारा (1) या धारा 95 की उप-धारा (1), यथास्थिति के अधीन फाइल किए गए आवेदन की प्रति, यदि पहले प्रदान नहीं की गई हो, धारा 97 की उप-धारा (5) के अधीन उसकी नियुक्ति के तीन दिन के भीतर समाधान व्यवसायिक तथा बोर्ड को उसके रिकार्ड हेतु प्रदान करेगा।

10. आवेदन और दस्तावेज़ फाइल करना.— (1) जब तक संहिता के अधीन कार्रवाई के संचालन हेतु प्रक्रिया के नियम अधिसूचित किए जाएं, नियम 6 और नियम 7 के अधीन आवेदन फाइल किए जाएंगे और न्याय-निर्णायक प्राधिकारी द्वारा उन पर निम्नलिखित के अनुसार यथास्थिति, कार्रवाई की जाएगी-

(क) कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 469 के अधीन बनाए गए राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण नियम, 2016 के भाग 3 के नियम 20, 21, 22, 23, 24 और 26; या

(ख) ऋण वसूली और शोधन अक्षमता अधिनियम, 1993 (1993 का 51) की धारा 36 के अधीन बनाए गए ऋण वसूली और शोधन अक्षमता अधिनियम, 1993 का नियम 3 और ऋण वसूली और शोधन अक्षमता अधिनियम, 1993 की धारा 22 के अधीन बनाए गए ऋण वसूली अधिकरण विनियम, 2015 के विनियम 3, 4, 5 और 11।

(2) आवेदन और संलग्न दस्तावेज़ों को, जब भी ऐसी सुविधा उपलब्ध हो और न्याय-निर्णायक प्राधिकारी द्वारा यथा-निर्देशित हो, इलेक्ट्रॉनिक रूप में फाइल किया जाएगा :

परंतु जब तक ऐसी सुविधा उपलब्ध कराई जाए, आवेदक संलग्न दस्तावेज़ों को और जब ये वृहद रूप में हों तो इन्हें इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्कैन करके डाटा स्टोरेज डिवाइस में लिजिबल पोर्टेबल डॉक्यूमेंट फॉर्मेट जैसे कम्पैट डिस्क या यूएसबी फ्लैश ड्राइव, जो न्यायनिर्णायक प्राधिकरण को स्वीकार्य हो, भेजेगा।

11. आवेदन को वापस लेना.— (1) न्याय-निर्णायक प्राधिकारी यथास्थिति नियम 6 या नियम 7, के अधीन प्रस्तुत आवेदन को निम्न प्रकार वापस लेने की अनुमति दे सकेगा -

(क) आवेदक द्वारा किए गए अनुरोध पर, इसके स्वीकार किए जाने से पूर्व;

(ख) आवेदक द्वारा किए गए अनुरोध पर, इसके स्वीकार किए जाने के पश्चात्, यदि 90 प्रतिशत लेनदार ऐसी वापसी पर सहमत हों।

(2) उप-नियम (1) के खंड (ख) के अधीन वापसी के लिए कोई आवेदन प्ररूप घ में किया जाएगा।

प्ररूप-क

[नियम 6(1) देखें]

दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने के लिए प्रत्याभूतिदाता द्वारा आवेदन

[दिवाला और शोधन अक्षमता (निगमित ऋणी के लिए व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाता हेतु दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए न्यायनिर्णयन प्राधिकारी को आवेदन) नियम, 2019 के नियम 6 के अधीन]

[तारीख]

सेवा में,

न्यायनिर्णयन प्राधिकारी

(पता)

प्रेषक

(प्रत्याभूतिदाता का नाम और पता)

(प्रत्याभूतिदाता का नाम) के मामले में

विषय: [प्रत्याभूतिदाता का नाम] के संबंध में दिवाला समाधान प्रक्रिया आरंभ करने के लिए आवेदन।

महोदया/महोदय,

मैं/हम [प्रत्याभूतिदाता का नाम] के बारे में दिवाला समाधान प्रक्रिया आरंभ करने के लिए आवेदन प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं। इस आवेदन के प्रयोजन हेतु ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :-

भाग-1

| प्रत्याभूतिदाता की विशिष्टियां | | | | | |
|--------------------------------|--|----------------------------|-----------------|----------------------------|---------------------------------------|
| 1. | उपनाम और पूरा नाम | | | | |
| 2. | जन्म की तारीख और ई-मेल पता | | | | |
| 3. | कोई अन्य नाम, यदि कोई हो, जिससे प्रत्याभूतिदाता जाना जाता है या जाना गया है | | | | |
| 4. | पता : (i) वर्तमान (ii) स्थायी (iii) कारबार | | | | |
| 5. | उपजीविका/व्यापार/व्यवसाय | | | | |
| 6. | पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में वार्षिक आय (रुपये में) | | | | |
| 7. | संबंधियों सहित प्रत्याभूतिदाता के साथियों, जो उसके लेनदार हैं, की सूची | नाम | आयु | पता | |
| 8. | बैंक खाते के ब्यौरे (संयुक्त और अनेक) | खाता संख्या | आईएफएससी कोड | बैंक का नाम और शाखा का पता | |
| 9. | पहचान संख्या | आधार संख्या | पासपोर्ट संख्या | पैन | |
| 10. | दूरभाष संख्या | आवास | मोबाईल | कारबार | |
| 11. | आवेदन की तारीख को प्रत्याभूतिदाता और उसके परिवार की आस्तियों की सूची टिप्पण: इसमें, अपवर्जित आस्तियों जिसके अन्तर्गत प्रत्याभूतिदाता की सभी आस्तियों शामिल भी हैं। कृपया अपवर्जित की जा सकने वाली आस्तियों का उल्लेख करें। | अचल | अभिवर्णन | प्राक्कलित मूल्य | अपवर्जित की गई या नहीं की गई आस्तियां |
| | | चल | अभिवर्णन | प्राक्कलित मूल्य | अपवर्जित की गई या नहीं की गई आस्तियां |
| | | वाहन | | | |
| | | सूचीबद्ध कंपनियों में शेयर | | | |
| | | अन्य कंपनियों में शेयर | | | |
| | | जीवन बीमा पॉलिसी | | | |
| | | आभूषण | | | |

| | | | | | |
|-----|---|---|--|--|--|
| | | पेंशन पॉलिसी | | | |
| | | म्यूचुअल फंड में निवेश | | | |
| | | अन्य निधियों में निवेश | | | |
| | | साझेदारी और अन्य व्यापारिक कारबार में निवेश | | | |
| | | कोई अन्य चल संपत्ति | | | |
| 12. | पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान धारित निदेशक पदों की संख्या (कंपनी जिसमें निदेशक पद धारित किया गया है, के नाम सहित) और ऐसी कंपनियों का सीआईएन | | | | |
| 13. | वैवाहिक प्रास्थिति (अविवाहित, विवाहित, तलाकशुदा, विधवा, सह-वास, पृथक रहना या कोई अन्य हैं, तो विनिर्दिष्ट करें) | | | | |
| 14. | प्रत्याभूतिदाता द्वारा दी गई प्रत्याभूति के बारे में अतिरिक्त)- | ब्यौरे (इस भाग की क्रम संख्या 1-13 में दी गई सूचना के | | | |
| | निगमित ऋणी का नाम जिसके लिए प्रत्याभूति दी गई है | | | | |
| | निगमित ऋणी द्वारा धारित वर्तमान या विगत पद | | | | |
| | निगमित ऋणी की पहचान संख्या | | | | |
| | निगमित ऋणी सहयोगी है | | | | |
| | निगमित ऋणी में धारित कोई प्रतिभूति जिसके लिए प्रत्याभूति दी गई है | | | | |
| | यदि प्रत्याभूति मांगी गई है तो इसका साक्ष्य | | | | |
| 15. | यदि प्रत्याभूतिदाता भारत का निवासी नहीं है, प्रत्याभूतिदाता की ओर से प्राधिकरण के साथ प्रक्रिया की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति का नाम और पता | | | | |

भाग-2

[कृपया इस भाग को पूरा करें यदि आप स्व:नियोजित हैं या फर्म में साझेदार हैं। यदि नहीं तो भाग-3 पर जाएं]

| प्रत्याभूतिदाता के कारबार की विशिष्टताएं | | |
|--|---|--|
| 1. | कारबार का नाम और कारबार का प्ररूप | |
| 2. | रजिस्ट्रीकरण का ब्यौरा, यदि कोई हो | |
| 3. | कारबार का अभिवर्णन | |
| 4. | कारबार का पता | |
| 5. | प्रत्याभूतिदाता की वार्षिक आय | |
| 6. | यदि कारबार संगठन कोई फर्म है, तो नीचे ब्यौरे उल्लिखित करें | |
| (i) | फर्म में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख | |
| (ii) | नवीनतम तुलन-पत्र के अनुसार पूंजीगत अंशदान | |
| (iii) | नवीनतम तुलन-पत्र के अनुसार लाभ में हिस्सेदारी | |
| (iv) | फर्म की ओर से आवेदन प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति का नाम, पता और प्राधिकार | |

भाग - 3

| ऋण की विशिष्टताएं [लेनदार-वार, यथा-लागू] | | | |
|--|---|---------|--------|
| 1. | लेनदार (रों) का नाम | | |
| 2. | पता | वर्तमान | स्थायी |
| | | | कारबार |
| 3. | कुल ऋण (ब्याज या शास्तियों सहित) | | |
| 4. | चूक ऋण की रकम | | |
| 5. | ब्याज या शास्तियां, यदि कोई हो | | |
| 6. | तारीख जब ऋण देय था | | |
| 7. | तारीख जब चूक हुई | | |
| 8. | ऋण की प्रकृति | | |
| 9. | निगमित ऋणी का नाम, पता और अन्य विशिष्टताएं | | |
| 10. | धारित प्रतिभूति की विशिष्टताओं सहित प्रतिभूति ऋण, इसके सृजन की तारीख, लेनदार के अनुसार प्रतिभूति का प्राक्कलित मूल्य और प्रतिभूति का ब्यौरा | | |
| 11. | अप्रतिभूत ऋण | | |
| 12. | माल जिसके लिए ऋण लिया है, के बारे में स्वत्वाधिकार व्यवस्थाओं (यदि कोई हो) को बनाए रखने के ब्यौरे | | |
| 13. | सूचना उपयोगिता सहित चूक का रिकार्ड, यदि कोई हो | | |
| 14. | ऋण के होने को सिद्ध करने के लिए इस आवेदन के साथ लगाए गए दस्तावेजों की सूची और चूक की रकम | | |

| | | |
|-----|---|---|
| 15. | अपवर्जित ऋण के बारे में प्रत्याभूतिदाता द्वारा दिया गया कथन | <p>मैं [प्रत्याभूतिदाता] कथन करता हूँ कि ऋण जिनके लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया आवेदन फाइल किया गया है, में निम्नलिखित में से कोई सम्मिलित नहीं है –</p> <p>(i) न्यायालय या अधिकरण द्वारा अधिरोपित जुर्माने के भुगतान का दायित्व ;</p> <p>(ii) लापरवाही, बाधा या सांविधिक, अनुबंधात्मक या अन्य विधिक दायित्व के भंग होने के लिए नुकसानों के भुगतान का दायित्व;</p> <p>(iii) तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन किसी व्यक्ति को भरण-पोषण के भुगतान का दायित्व;</p> <p>(iv) विद्यार्थी ऋण के संबंध में दायित्व;</p> <p>(v) संहिता की धारा 79(15)(ड) के अधीन विहित कोई अन्य ऋण।</p> |
|-----|---|---|

भाग 4

| समाधान वृत्तिक (यदि समाधान वृत्तिक के माध्यम से आवेदन फाइल किया गया है) विशिष्टियां और उसके द्वारा घोषणा | | | |
|--|-----------------------------|--|--------|
| 1. | उपनाम और पूरा नाम | | |
| 2. | पता | वर्तमान | स्थायी |
| | | | |
| 3. | ई-मेल पता (पते) | | |
| 4. | दूरभाष संख्या | आवास | मोबाइल |
| | | | |
| 5. | समाधान वृत्तिक द्वारा घोषणा | <p>मुझे, [दिवाला वृत्तिक का नाम] रजिस्ट्रीकरण संख्या [रजिस्ट्रीकरण संख्या] के साथ दिवाला वृत्तिक के रूप में अभ्यावेशित [दिवाला वृत्तिक का नाम], को [प्रत्याभूतिदाता का नाम] की प्रस्तावित दिवाला समाधान प्रक्रिया के संबंध में [आवेदक प्रत्याभूतिदाता का नाम] द्वारा समाधान वृत्तिक के रूप में प्रस्तावित किया गया है।</p> <p>मैं,:</p> <p>(i) समाधान वृत्तिक के रूप में नियुक्ति को स्वीकार करने के लिए सहमत हूँ यदि न्यायनिर्णयन प्राधिकारी द्वारा नियुक्ति का आदेश जारी किया जाता है;</p> <p>(ii) कथन करता हूँ कि मुझे बोर्ड द्वारा आवंटित रजिस्ट्रीकरण संख्या [रजिस्ट्रीकरण संख्या अंतःस्थापित करें] आवंटित की गई है और यह कि मैं इस समय पर दिवाला वृत्तिक के रूप में कार्य करने के लिए अर्हता प्राप्त हूँ;</p> <p>(iii) प्रकट करता हूँ कि मैं इस समय [संख्या और कार्यवाहियों के ब्यौरे अंतःस्थापित करें] दिवाला वृत्तिक/समाधान वृत्तिक/समापक/शोधन अक्षमता न्यासी के रूप में कार्य कर रहा हूँ;</p> | |

| | |
|--|--|
| | <p>(iv) प्रमाणित करता हूँ कि मेरे विरुद्ध बोर्ड या [दिवाला वृत्तिक अभिकरण का नाम जिसका वह सदस्य है] कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही लंबित नहीं है;</p> <p>(v) पुष्टि करता हूँ कि मैं भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (निगमित ऋणी के लिए व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाताओं हेतु दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियमन, 2019 के अनुसार प्रत्याभूतिदाता के संबंध में समाधान वृत्तिक के रूप में नियुक्ति के लिए अर्हक हूँ;</p> <p>(vi) भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (दिवाला वृत्तिक) विनियमन, 2016 में वर्णित दिवाला वृत्तिकों के लिए आचार संहिता के अनुसार निम्नलिखित जानकारी प्रदान करता हूँ [जानकारी, यदि कोई हो, अंतःस्थापित करें]।</p> <p>(दिवाला वृत्तिक के हस्ताक्षर) (नाम बड़े अक्षरों में)</p> |
|--|--|

[प्रत्याभूतिदाता का नाम] ने [तारीख] को [भुगतान के तरीके का अभिकथन करें] के माध्यम से इस आवेदन के लिए अपेक्षित शुल्क का भुगतान कर दिया है।

भवदीय,

घोषणा

| |
|---|
| प्रत्याभूतिदाता/प्रत्याभूतिदाता की ओर से कार्य करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर [कृपया प्राधिकार दस्तावेज़ संलग्न करें, यदि इस आवेदन को प्रत्याभूतिदाता की ओर से प्रस्तुत किया जा रहा है] |
| नाम बड़े अक्षरों में |
| हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति का पता |

मैं, [आवेदक का नाम], इस समय [पता अंतःस्थापित करें], पर रह रहा हूँ, घोषणा करता हूँ और निम्नानुसार कथन करता हूँ :-

1. दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए इस आवेदन के बारे में, मुझे नीचे विनिर्दिष्ट दस्तावेज़ों पर विश्वास है: [कृपया उन दस्तावेज़ों की सूची दें जिन पर निर्भर हैं]
2. उक्त दस्तावेज़ों सहित इस आवेदन की विषय-वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी, सूचना और विश्वास में सत्य, वैध और वास्तविक हैं तथा इसमें कोई महत्वपूर्ण तथ्य छुपाया नहीं गया है।

तारीख:

स्थान:

(आवेदक के हस्ताक्षर)

सत्यापन

मैं, [आवेदक का नाम] यह सत्यापित करता हूँ कि इस आवेदन की विषय-वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी, सूचना और विश्वास में सत्य, वैध और वास्तविक हैं तथा इसमें कोई महत्वपूर्ण तथ्य छुपाया नहीं गया है।

आज तारीख मास 2019 को सत्यापित

.....

आवेदक के हस्ताक्षर

संलग्नक : आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेजों की सूची

1. इस प्ररूप के भाग-3 के क्रम संख्यांक 14 में उल्लिखित सभी दस्तावेज।
2. पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए यथास्थिति प्रत्याभूतिदाता, या फर्म, की आय की विस्तृत गणना के साथ आयकर विवरणियों की प्रति।
3. व्यक्तिगत प्रत्याभूति संविदा की प्रति।
4. बैंककार बही साक्ष्य अधिनियम, 1891 (1891 का 18) के अनुसार बैंककार बही में प्रविष्टियों की प्रतियां।
5. सभी दस्तावेजों और आज तक छूट दर्शाने वाली वित्तीय संविदा की नवीनतम और पूर्ण प्रति।
6. सभी आस्तियों के लिए संगत स्वामित्व और स्वत्वाधिकार दस्तावेजों की प्रतियां।
7. प्राधिकार की प्रति, जहां कहीं इस प्ररूप के तहत अपेक्षित हो।
8. यह प्रमाण कि आवेदन शुल्क का भुगतान कर दिया गया है।
9. इस प्ररूप के प्रत्येक भाग के लिए प्रत्येक प्रविष्टि में मांगी गई प्रत्येक सूचना का दस्तावेजी साक्ष्य।
10. निम्नलिखित सूचना और समर्थनकारी दस्तावेजों सहित प्रत्याभूतिदाता के मामलों का आज की तारीख तक का एक कथन जो इस आवेदन की तारीख से सात दिन से पहले का न हो, अर्थात्:
 - (i) पिछले तीन वर्ष के लिए प्रत्याभूतिदाता की आस्तियों (उन आस्तियों सहित जो आस्तियों से अलग की जा सकें) और दायित्व;
 - (ii) लेनदारों के नामों सहित प्रत्याभूत और अप्रत्याभूत ऋणों (इस प्ररूप के भाग 3 के क्रम संख्यांक 15 में उल्लिखित पृथक ऋणों को सम्मिलित करते हुए), और पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए सभी अपेक्षित ब्यौरे;
 - (iii) पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए निगमित ऋणी के सहयोगी के लिए प्रत्याभूतिदाता द्वारा लिए गए ऋण का ब्यौरा;
 - (iv) निगमित ऋणी के किन्हीं ऋणों के संबंध में दी गई प्रत्याभूतियां, और यदि कोई प्रत्याभूतिदाता निगमित ऋणी का कोई सहयोगी है;
 - (v) प्रत्याभूतिदाता के स्वामित्वाधीन व्यवसाय के लिए सभी अनुलग्नकों और अनुसूचियों के साथ वित्तीय विवरणी, या फर्म यथास्थिति, जिसमें प्रत्याभूतिदाता भागीदार है, पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए, यदि लागू हो;
 - (vi) संपदा कर विवरणियां, यदि कोई हो, प्रत्याभूतिदाता द्वारा फाइल की गई, पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए;
 - (vii) पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए, प्रत्याभूतिदाता की आय विवरणी;
 - (viii) पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए जीएसटी सहित अप्रत्यक्ष करों का भुगतान।

प्ररूप ख

[नियम 7(1) देखें]

मांग नोटिस का प्ररूप

[दिवाला और शोधन अक्षमता (निगमित ऋणी के लिए व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाताओं के दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए न्याय-निर्णयन प्राधिकारी को आवेदन) नियम, 2019 के नियम 7(1) के अधीन]

[तारीख]

सेवा में,

[प्रत्याभूतिदाता का नाम और पता]

प्रेषित

[लेनदार का नाम और पता]

विषय: इस संहिता के अधीन (निगमित ऋणी) से देय चूक के संबंध में असंदत्त ऋण के संबंध में मांग नोटिस।

महोदया/महोदय,

1. यह पत्र (निगमित ऋणी का नाम) से देय चूक के संबंध में असंदत्त ऋण का मांग नोटिस है।
2. कृपया चूक के संबंध में असंदत्त ऋण की विशिष्टियां नीचे देखें –

| | ऋण की विशिष्टियां | |
|-----|--|--|
| 1. | कुल असंदत्त ऋण (किसी ब्याज या शास्ति सहित) | |
| 2. | चूक के ऋण की रकम | |
| 3. | तारीख जब से ऋण देय था | |
| 4. | तारीख जब चूक हुई थी | |
| 5. | ऋण की प्रकृति | |
| 6. | धारित प्रतिभूति की विशिष्टियों सहित प्रतिभूत ऋण, इसके सृजन की तारीख, लेनदार (यथा लागू हो) के अनुसार इसका अनुमानित मूल्य, और प्रतिभूतियों के ब्यौरे | |
| 7. | अप्रतिभूत ऋण (यथा-लागू) | |
| 8. | उन वस्तुओं के संबंध में जिनसे ऋण संबंधित है (प्रति संलग्न करें) स्वत्वाधिकार व्यवस्थाएं (यदि कोई हो) के धारण का ब्यौरा | |
| 9. | चूक के संबंध में किसी न्यायालय, अधिकरण या पंचाट पैनल न्यायनिर्णयन के आदेश की विशिष्टियां, यदि कोई हो (आदेश की एक प्रति संलग्न करें) | |
| 10. | सूचना उपयोगिता के साथ चूक का रिकॉर्ड, यदि कोई हो (प्रति संलग्न करें) | |
| 11. | भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 10) के अधीन उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का ब्यौरा, या वसीयत का प्रोबेट, या प्रशासन पत्र, या न्यायालय डिक्री (जैसा लागू हो)। (प्रति संलग्न करें) | |
| 12. | विधि, संविदा या अन्य दस्तावेज के उपबंध जिसके अधीन ऋण देय हो गया है (प्रति संलग्न करें) | |
| 13. | बैंक खाते का विवरण उस तारीख से जिसको ऋण लिया था, जहां निगमित ऋणी के संबंध में लेनदार द्वारा सामान्यतः निक्षेप किया जाता है या ऋण प्राप्त किए जाते हैं। | |
| 14. | ऋण के होने और चूक रकम को सिद्ध करने के लिए इस नोटिस के साथ संलग्न दस्तावेजों की सूची। | |

3. यदि आप का यह विश्वास है कि ऋण इस नोटिस की प्राप्ति से पूर्व चुका दिया गया है, तो कृपया इस नोटिस की प्राप्ति के चौदह दिन के भीतर हमें ऐसे पुनर्भुगतान के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुत करें:
 - (क) प्रत्याभूतिदाता के बैंक खाते से असंदत्त रकम के इलेक्ट्रॉनिक अंतरण के रिकॉर्ड की एक सत्यापित प्रति; या
 - (ख) प्रत्याभूतिदाता द्वारा जारी असंदत्त रकम के लिए चैक के भुगतान का साक्ष्य; या
 - (ग) उस रिकॉर्ड की एक सत्यापित प्रति जिसने (लेनदार का नाम) भुगतान प्राप्त किया है।
4. अधोहस्ताक्षरी, इस पत्र की प्राप्ति से चौदह दिन के भीतर पूर्ण रूप से अदायगी से चूक के असंदत्त ऋण का बिना शर्त भुगतान करने का आपसे अनुरोध करते हैं जिसके न होने पर इस संहिता के अधीन आपके विरुद्ध दिवाला समाधान प्रक्रिया आरंभ की जाएगी।

भवदीय,

| |
|--|
| लेनदार/लेनदार की ओर से कार्य करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर (कृपया प्राधिकार दस्तावेज संलग्न करें यदि यह नोटिस लेनदार की ओर से जारी किया जा रहा है)। |
| स्पष्ट अक्षरों में नाम |
| हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति का पता |

अनुदेश:

1. कृपया इस संहिता की धारा 95 के अधीन कोई आवेदन फाइल करने के चौदह दिन अग्रिम में, प्रत्याभूतिदाता को इस नोटिस की तामील करें।
2. कृपया न्यायनिर्णयन प्राधिकारी के लिए लेनदार द्वारा किए गए आवेदन के साथ तामील किए गए ऐसे नोटिस की प्रति संलग्न करें।

प्ररूप ग

[नियम 7(2) देखें]

दिवाला समाधान प्रक्रिया आरंभ करने के लिए लेनदार द्वारा आवेदन

[दिवाला और शोधन अक्षमता (निगमित ऋणी के लिए व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाताओं की दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए न्याय-निर्णयन प्राधिकारी को आवेदन) नियम, 2019 के नियम 7(2) के अधीन]

(तारीख)

सेवा में,

न्याय-निर्णयन प्राधिकारी

[पता]

प्रेषक

[लेनदार का नाम और पता]

[प्रत्याभूतिदाता का नाम] के मामले में

विषय: इस संहिता के अधीन (प्रत्याभूतिदाता का नाम) के संबंध में दिवाला समाधान प्रक्रिया आरंभ करने संबंधी आवेदन

महोदया/महोदय,

[लेनदार का नाम] [प्रत्याभूतिदाता का नाम] के मामले में दिवाला समाधान प्रक्रिया आरंभ करने के लिए यह आवेदन प्रस्तुत करता है।

इस आवेदन के प्रयोजनार्थ व्यौरों का नीचे अभिवर्णन दिया गया है -

भाग - I

| आवेदक की विशिष्टियां | | | | |
|----------------------|------------------------|-------------|--------|------------|
| 1. | पदनाम और पूरा नाम | | | |
| 2. | जन्मतारीख और ई-मेल पता | | | |
| 3. | संपर्क संख्या | घर | मोबाइल | कारबार |
| | | | | |
| 4. | पहचान संख्या | आधार संख्या | सीआईएन | पैन |
| | | | | जीएसटीआईएन |
| | | | | |

| | | | | | |
|----|---------------------------------------|-------------|--------------|----------------------------|--|
| 5. | पता | वर्तमान | स्थायी | कारबार | |
| 6. | बैंक खाते के ब्यौरे (संयुक्त और पृथक) | खाता संख्या | आईएफएससी कोड | बैंक का नाम और शाखा का पता | |
| | | | | | |

भाग-2

| प्रत्याभूतिदाता की विशिष्टियां | | | | | |
|--------------------------------|---|----------------------------|--------------|----------------------------|---------------------------|
| 1. | पदनाम और पूरा नाम | | | | |
| 2. | जन्म तारीख और ई-मेल पता (जहां तक ज्ञात) | | | | |
| 3. | अन्य कोई नाम, जिससे प्रत्याभूतिदाता जाना जाता है या जाना गया है (जो लागू हो) (जहां तक ज्ञात हो) | | | | |
| 4. | पता | वर्तमान | स्थायी | कारबार | |
| 5. | पेशा/कारबार/वृत्ति | | | | |
| 6. | वार्षिक आय (ज्ञात) | | | | |
| 7. | रिश्तेदारों सहित प्रत्याभूतिदाता के सहायकों की सूची, जो लेनदार (जहां तक ज्ञात हो) हो सकते हैं | नाम | आयु | पता | |
| 8. | बैंक खाता ब्यौरा (संयुक्त और पृथक) | खाता संख्या | आईएफएससी कोड | बैंक का नाम और शाखा का पता | |
| 9. | पहचान संख्या | आधार संख्या | सीआईएन | पैन | जीएसटीआईएन |
| 10. | दूरभाष संख्या | घर | मोबाइल | कारबार | |
| 11. | आवेदन की तारीख को प्रतिभूतिदाता की आस्तियों की सूची (ज्ञात) टिप्पण: इसमें प्रत्याभूतिदाता की सभी आस्तियां सम्मिलित होंगी, चाहे वे अपवर्जित आस्तियां हों। | अचल | वर्णन | प्राक्कलित मूल्य | अपवर्जित आस्ति है या नहीं |
| | | चल | वर्णन | प्राक्कलित मूल्य | अपवर्जित आस्ति है या नहीं |
| | | वाहन | | | |
| | | सूचीबद्ध कंपनियों में शेयर | | | |
| | | अन्य कंपनियों में शेयर | | | |
| | | जीवन बीमा पॉलिसी | | | |
| | | आभूषण | | | |

| | | | | | |
|-----|--|--|--|--|--|
| | | पेंशन पॉलिसी | | | |
| | | म्यूचुअल फंड में निवेश | | | |
| | | अन्य फंड में निवेश | | | |
| | | साझीदारी और अन्य कारबार उपक्रमों में निवेश | | | |
| | | कोई अन्य चल संपत्ति | | | |
| 12. | पूर्ववर्ती तीन वर्षों में धारित निदेशक के पदों की संख्या (उस कंपनी के नाम सहित जिसमें निदेशक का पद धारित किया है) और ऐसी कंपनियों के सीआईएन | | | | |
| 13. | वैवाहिक प्रास्थिति (एकल, विवाहित, तलाकशुदा, विधवा, सहवासी, पृथक, या कोई अन्य निर्दिष्ट करें (जहां तक ज्ञात हो) | | | | |
| 14. | व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाता के संबंध में ब्यौरों (इस भाग के क्रम संख्या 1 से 13 में सूचना के अतिरिक्त) | | | | |
| | निगमित ऋणी का नाम जिसके लिए गारंटी दी गई है | | | | |
| | निगमित ऋणी द्वारा धारित कोई वर्तमान या विगत पद (जहां तक ज्ञात हो) | | | | |
| | निगमित ऋणी की पहचान संख्या | | | | |
| | क्या निगमित ऋणी एक सहयोगी है (ज्ञात) | | | | |
| | निगमित ऋणी में धारित कोई प्रतिभूतियां जिनके लिए गारंटी दी गई है | | | | |
| 15. | जहां प्रत्याभूतिदाता भारत में निवास नहीं करता है, भारत में निवासी व्यक्ति का नाम और पता जिसे प्रत्याभूतिदाता की ओर से आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए अधिकृत किया था। | | | | |

भाग 3

| ऋण का विशिष्टियां | |
|-------------------|--------------------------------------|
| 1. | कुल ऋण (कोई ब्याज या शास्तियों सहित) |
| 2. | चूक की रकम |

| | | |
|-----|---|--|
| 3. | तारीख जिसको ऋण देय था | |
| 4. | तारीख जिसको चूक हुई थी | |
| 5. | ऋण की प्रकृति | |
| 6. | धारित प्रतिभूति के विवरण सहित प्रतिभूत ऋण, इसके सृजन की तारीख, देनदार के अनुसार उसका प्राक्कलित मूल्य (यथा लागू) | |
| 7. | अप्रतिभूत ऋण (यथा लागू) | |
| 8. | उन वस्तुओं के संबंध में स्वाधिकार व्यवस्थाएं (यदि कोई हो) के धारण का ब्यौरा जिनसे ऋण संबंधित है (प्रति संलग्न करें) | |
| 9. | प्रत्याभूतिदाता और लेनदार के बीच किसी परस्पर जमा, परस्पर ऋण या अन्य परस्पर व्यापार का ब्यौरा जिसे दावे के विरुद्ध मुजरा किया जा सकता है (प्रमाण संलग्न करें)। | |
| 10. | चूक के संबंध में किसी न्यायालय, अधिकरण या पंचाट पैनल न्यायनिर्णयन का विवरण, यदि कोई हो (आदेश की एक प्रति संलग्न करें) | |
| 11. | सूचना उपयोगिता के साथ चूक का रिकॉर्ड, यदि कोई हो (प्रति संलग्न करें) | |
| 12. | भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 10) के अधीन उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, या वसीयत संप्रमाण या प्रशासन का पत्र, या न्यायालय की डिग्री (जैसा लागू हो) (प्रति संलग्न करें) | |
| 13. | विधि, संविदा या अन्य दस्तावेज का प्रावधान जिसके अधीन ऋण देय हो गया है (प्रति संलग्न करें) | |
| 14. | बैंक खाते का विवरण, जहां निगमित ऋणी के ऋण के संबंध में लेनदार द्वारा सामान्यतया जमा की गई हैं या जमा प्राप्त हुआ है, उस तारीख से जिसको ऋण दिया था (प्रति संलग्न करें) | |
| 15. | ऋण की विद्यमानता और चूक रकम को सिद्ध करने हेतु इस आवेदन के साथ संलग्न दस्तावेजों की सूची | |
| 16. | अपवर्जित किए गए ऋणों के संबंध में लेनदार का कथन | <p>मैं (लेनदार) यह उल्लेख करता हूं कि ऋण (ऋणों) जिसके लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया आवेदन फाइल किया गया है, इनमें से निम्न सम्मिलित नहीं है</p> <p>(i) किसी न्यायालय या अधिकरण द्वारा लगाए गए जुर्माने का भुगतान करने का दायित्व;</p> <p>(ii) लापरवाही, बाधा या किसी सांविधिक, संविदागत या अन्य विधिक बाध्यता को भंग करने के लिए क्षतिपूर्ति का भुगतान करने का दायित्व;</p> <p>(iii) उस समय लागू किसी विधि के अंतर्गत किसी</p> |

| | | |
|-----|--|---|
| | | <p>व्यक्ति के लिए भरण-पोषण का भुगतान करने का दायित्व;</p> <p>(iv) किसी विद्यार्थी ऋण के संबंध में दायित्व;</p> <p>(v) इस संहिता की धारा 79(15)(ड) के अधीन निर्धारित कोई अन्य ऋण</p> |
| 17. | यदि आप प्रतिभूत लेनदार हैं, पुनःसंदाय योजना की अवधि के दौरान प्रतिभूति के अधिकार का समपहरण से संबंधित स्तंभ अधिकार में सही लागू करें जो इस संहिता की धारा 110 के अनुसार शेयर मतदान अवधारित होगा। | <ul style="list-style-type: none"> ▪ मैं पुनर्अदायगी की योजना के दौरान मेरी प्रतिभूति (विवरण रखें) प्रवर्तन करने के मेरे अधिकार समपहरण से वंचित होने के लिए सहमत हूँ। ▪ मैं पुनर्अदायगी की योजना के दौरान मेरी प्रतिभूति (विवरण रखें) प्रवर्तन करने के मेरे अधिकार का समपहरण होने के लिए सहमत नहीं हूँ। |

भाग-4

| दिवाला वृत्तिक का ब्यौरा और उसके द्वारा घोषणा (यदि दिवाला वृत्तिक के माध्यम से आवेदन फाइल किया हो) | | | |
|--|-----------------------------|--|--------|
| 1. | पदनाम और पूरा नाम | | |
| 2. | पता | वर्तमान | स्थायी |
| | | | कारबार |
| 3. | ई-मेल पता (पते) | | |
| 4. | संपर्क दूरभाष | घर | मोबाइल |
| | | | कारबार |
| 5. | दिवाला वृत्तिक द्वारा घोषणा | <p>मैं, [दिवाला वृत्तिक का नाम], रजिस्ट्रीकरण संख्या (रजिस्ट्रीकरण संख्या) सहित दिवाला वृत्तिक (दिवाला वृत्तिक एजेंसी का नाम) से दिवाला वृत्तिक नामांकित होकर (प्रत्याभूतिदाता का नाम) की प्रस्तावित दिवाला समाधान प्रक्रिया के संबंध में समाधान वृत्तिक के रूप में (आवेदक प्रत्याभूतिदाता का नाम) द्वारा प्रस्तावित किया गया हूँ।</p> <p>मैं:—</p> <p>(i) समाधान वृत्तिक के रूप में नियुक्ति स्वीकार करने के लिए सहमत हूँ यदि नियुक्ति का आदेश न्याय-निर्णयन प्राधिकारी द्वारा पारित किया गया है;</p> <p>(ii) यह उल्लेख करता हूँ कि इस बोर्ड द्वारा मुझे आबंटित रजिस्ट्रीकरण संख्या (रजिस्ट्रीकरण संख्या रखें) है और कि मैं इस समय एक दिवाला वृत्तिक के</p> | |

| | |
|--|--|
| | <p>रूप में कार्य करने के लिए अर्हता प्राप्त हूँ;</p> <p>(iii) यह प्रकट करता हूँ कि मैं इस समय (कार्यवाहियों की संख्या और ब्यौरा रखें) एक अंतरिम समाधान वृत्तिक/समाधान वृत्तिक/प्राधिकृत प्रतिनिधि/समापक/आशोधन न्यासी के रूप में कार्य कर रहा हूँ;</p> <p>(iv) प्रमाणित करता हूँ कि मेरे विरुद्ध बोर्ड या (दिवाला वृत्तिक एजेंसी का नाम जिसका वह एक सदस्य है) के विरुद्ध कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित नहीं है;</p> <p>(v) पुष्टि करता हूँ कि मैं भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता (निगमित ऋणी के लिए व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाताओं के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया (विनियमन), 2019 के अनुसार प्रत्याभूतिदाता के संबंध में एक समाधान वृत्तिक के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए पात्र हूँ;</p> <p>(vi) भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता (दिवाला व्यवसायी) विनियम, 2016 में दिए गए दिवाला वृत्तिकों के लिए आचार संहिता के अनुसार निम्नलिखित प्रकटीकरण करता हूँ (प्रकटीकरण सम्मिलित करें, यदि कोई हो)</p> <p>(दिवाला वृत्तिक के हस्ताक्षर)</p> |
|--|--|

[लेनदार का नाम] ने [तारीख] को [भुगतान के माध्यम का उल्लेख करें] के माध्यम से इस आवेदन के लिए अपेक्षित फीस का भुगतान कर दिया है।

भवदीय,

| |
|---|
| लेनदार/लेनदार की ओर से कार्य करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर [कृपया प्राधिकार दस्तावेज संलग्न करें यदि यह आवेदन लेनदार की ओर से प्रस्तुत किया जा रहा है] |
| स्पष्ट अक्षरों में नाम |
| हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति का पता |

आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेजों की सूची

1. इस प्ररूप के भाग 3 के क्रम संख्या 15 में उल्लिखित सभी दस्तावेज।
2. प्ररूप ख में प्रत्याभूतिदाता को दिए गए मांग नोटिस की प्रति।
3. पूर्ववर्ती तीन वर्ष के लिए, यदि लागू हो, प्रत्याभूतिदाता या फर्म, यथास्थिति की आय की आयकर विवरणियां, आयकर की संगणना सहित, की प्रति।
4. व्यक्तिगत प्रत्याभूति संविदा की प्रति।
5. प्राधिकार की प्रति, जहां इस प्ररूप के अंतर्गत अपेक्षित हो।
6. आवेदन शुल्क का भुगतान किए जाने का सबूत।
7. ऋण के संबंध में ऋण और चूक का साक्ष्य देने वाले दस्तावेज जैसा कि किसी समय प्रत्याभूति द्वारा प्रदान किया गया हो, यदि उपलब्ध हो।
8. आस्तियां, देयताएं, आय तथा कोई अन्य संगत सूचना प्रमाणित करने वाले दस्तावेज जैसा कि किसी समय प्रत्याभूति द्वारा प्रदान किया गया हो, यदि उपलब्ध हो।
9. इस प्ररूप के प्रत्येक भाग के लिए प्रत्येक प्रविष्टि में मांगी गई सभी सूचना के साक्ष्य का दस्तावेजी प्रमाण।

प्ररूप घ

[नियम 11(2) देखें]

दिवाला समाधान प्रक्रिया को वापस लेने संबंधी आवेदन

[दिवाला और शोधन अक्षमता (निगमित ऋणी) के लिए व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाताओं हेतु दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए न्यायनिर्णयन प्राधिकारी को आवेदन) नियम, 2019 के नियम 11(2) के अधीन]

[तारीख]

सेवा में,

न्याय-निर्णयन प्राधिकारी

[पता]

प्रेषक

[आवेदन का नाम और पता]

[प्रत्याभूतिदाता का नाम] के मामले में

विषय: दिवाला समाधान प्रक्रिया आवेदन (प्रत्याभूतिदाता का नाम) वापस लेने हेतु _____ को स्वीकृति दी गई

1. [आवेदक का नाम] ने इस संहिता की [धारा 94/धारा 95] के अधीन न्यायनिर्णयन प्राधिकरण के समक्ष एक आवेदन [आवेदन का विवरण अर्थात् डायरी संख्या/मामला संख्या] तारीख [फाइलिंग की तारीख] को फाइल किया था। उक्त आवेदन [मामला संख्या] [तारीख] को न्यायनिर्णयन प्राधिकरण द्वारा स्वीकार किया गया था।
2. मैं इस संहिता की [धारा 94/धारा 95] के अधीन न्यायनिर्णयन प्राधिकरण के समक्ष [आवेदक का नाम] द्वारा दाखिल [आवेदन का विवरण अर्थात् डायरी संख्या/मामला संख्या] आवेदन वापस लेता हूँ।
3. लेनदारों में नियम 11 के अधीन इस आवेदन की वापसी के लिए अनुरोध को अनुमोदित कर दिया है।
4. मुझे आवेदक द्वारा न्यायनिर्णयन प्राधिकरण से इस आवेदन को वापस लेने हेतु फाइल करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। [यदि लागू नहीं है, तो हटा दें]
5. समाधान वृत्तिक द्वारा इस प्रक्रिया में किए जाने वाले प्राक्कलित लागत के लिए अपेक्षित बैंक प्रत्याभूति संलग्न है।

(आवेदक या आवेदक द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर)

तारीख:

स्थान:

[फा. सं. 30/21/2018-दिवाला अनुभाग]

ज्ञानेश्वर कुमार सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS**NOTIFICATION**

New Delhi, the 15th November, 2019

G.S.R. 854(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1), clauses (g), (h), (i), (m), (n) and (o) of sub-section (2) of section 239 read with clause (e) of section 2 and sub-section (2), clauses (c) and (e) of sub-section (14) and clause (e) of sub-section (15) of section 79 of the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 (31 of 2016), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. **Short title and commencement.**— (1) These rules may be called the Insolvency and Bankruptcy (Application to Adjudicating Authority for Insolvency Resolution Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Rules, 2019.

(2) They shall come into force from the 1st day of December, 2019.

- 2. Application.**— These rules shall apply to insolvency resolution process for personal guarantors to corporate debtors.
- 3. Definitions.** — (1) In these rules, unless the context otherwise requires, -
- (a) “Adjudicating Authority” means-
 - (i) for the purpose of section 60, the National Company Law Tribunal constituted under section 408 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013); or
 - (ii) in cases other than sub-clause (i), the Debt Recovery Tribunal established under sub-section (1A) of section 3 of the Recovery of Debts and Bankruptcy Act, 1993 (51 of 1993);
 - (b) “Code” means the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 (31 of 2016);
 - (c) “electronic form” shall have the meaning assigned to it in clause (r) of section 2 of the Information Technology Act, 2000 (21 of 2000);
 - (d) “form” means a form appended to these rules;
 - (e) “guarantor” means a debtor who is a personal guarantor to a corporate debtor and in respect of whom guarantee has been invoked by the creditor and remains unpaid in full or part;
 - (f) “section” means section of the Code;
 - (g) “serve” means sending any communication by any means, including registered post, speed post, courier or electronic form, which is capable of producing or generating an acknowledgement of receipt of such communication:

Provided that where a document cannot be served in any of the modes, it shall be affixed at the outer door or some other conspicuous part of the house or building in which the addressee ordinarily resides or carries on business or personally works for gain;
- (2) Words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Code shall have the meanings respectively assigned to them in the Code.
- 4. Relatives.**— For the purposes of clause (ii) of Explanation to sub-section (2) of section 79, the manner of relationship shall mean the manner as provided in the Explanation to clause (24A) of section 5.
- 5. Excluded assets.**— For the purposes of sub-section (14) of section 79,—
- (a) the value of unencumbered personal ornaments under clause (c) of the said sub-section shall not exceed one lakh rupees;
 - (b) the value of unencumbered single dwelling unit owned by the debtor under clause (e) of the said sub-section shall not exceed,-
 - (i) in the case of dwelling unit in an urban area, twenty lakh rupees;
 - (ii) in the case of dwelling unit in rural area, ten lakh rupees.
- Explanation.*— For the purposes of this rule,-
- (a) “rural area” shall have the same meaning as assigned to it in clause (o) of section 2 of the National Rural Employment Guarantee Act, 2005 (42 of 2005);
 - (b) “urban area” means any area other than rural area.
- 6. Application by guarantor.**— (1) The application under sub-section (1) of section 94 shall be submitted in Form A, along with an application fee of two thousand rupees.
- (2) The guarantor shall serve forthwith a copy of the application referred to in sub-rule (1) to every financial creditor and the corporate debtor for whom the guarantor is a personal guarantor.
- 7. Application by creditor.**— (1) A demand notice under clause (b) of sub-section (4) of section 95 shall be served on the guarantor demanding payment of the amount of default, in Form B.
- (2) The application under sub-section (1) of section 95 shall be submitted in Form C, along with a fee of two thousand rupees.

- (3) The creditor shall serve forthwith a copy of the application referred to in sub-rule (2) to the guarantor and the corporate debtor for whom the guarantor is a personal guarantor.
- (4) In case of a joint application, the creditors may nominate one amongst themselves to act on behalf of all the creditors.
- 8. Confirmation or nomination of insolvency professional.**— (1) For the purposes of sub-section (2) of section 97 and sub-section (5) of section 98, the Board may share the database of the insolvency professionals, including information about disciplinary proceedings against them, with the Adjudicating Authority from time to time.
- (2) For the purposes of sub-section (4) of section 97 and sub-section (3) of section 98, the Board may share a panel of insolvency professionals, who may be appointed as resolution professionals, with the Adjudicating Authority.
- 9. Copy of application.**— The applicant shall provide a copy of the application filed under sub-section (1) of section 94 or sub-section (1) of section 95, as the case may be, if not provided earlier, to the resolution professional within three days of his appointment under sub-section (5) of section 97, and to the Board for its record.
- 10. Filing of application and documents.**— (1) Till such time, rules of procedure for conduct of proceedings under the Code are notified, the applications under rules 6 and 7 shall be filed and dealt with by the Adjudicating Authority in accordance with —
- (a) rules 20, 21, 22, 23, 24 and 26 of Part III of the National Company Law Tribunal Rules, 2016 made under section 469 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013); or
- (b) rule 3 of the Debt Recovery Tribunal (Procedure) Rules, 1993 made under section 36 of the Recovery of Debts and Bankruptcy Act, 1993 (51 of 1993) and regulations 3, 4, 5 and 11 of the Debt Recovery Tribunal Regulations, 2015 made under section 22 of the Recovery of Debts and Bankruptcy Act, 1993,
- as the case may be.
- (2) The application and accompanying documents shall be filed in electronic form, as and when such facility is made available and as directed by the Adjudicating Authority:
- Provided that till such facility is made available, the applicant may submit accompanying documents, and wherever they are bulky, in electronic form, in scanned, legible portable document format in a data storage device such as compact disc or a USB flash drive acceptable to the Adjudicating Authority.
- 11. Withdrawal of application.** — (1) The Adjudicating Authority may permit withdrawal of the application submitted under rule 6 or rule 7, as the case may be,-
- (a) before its admission, on a request made by the applicant;
- (b) after its admission, on the request made by the applicant, if ninety per cent. of the creditors agree to such withdrawal.
- (2) An application for withdrawal under clause (b) of sub-rule (1) shall be in Form D.

FORM A

[See rule 6(1)]

APPLICATION BY GUARANTOR TO INITIATE INSOLVENCY RESOLUTION PROCESS

[Under rule 6 of the Insolvency and Bankruptcy (Application to Adjudicating Authority for Insolvency Resolution Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Rules, 2019]

[Date]

To

The Adjudicating Authority

[Address]

From

[Name and address of the guarantor]

In the matter of [name of the guarantor]

Subject: Application to initiate insolvency resolution process in respect of [name of the guarantor].

Madam/Sir,

I/We hereby submit this application to initiate an insolvency resolution process in respect of [name of guarantor]. The details for the purpose of this application are set out below-

Part-I

| PARTICULARS OF THE GUARANTOR | | | | |
|------------------------------|---|----------------------------|-----------------|--|
| 1. | Title and full name | | | |
| 2. | Date of birth and e-mail address | | | |
| 3. | Any other name, if any, by which the guarantor is or has been known | | | |
| 4. | Address: (i) Present (ii) Permanent (iii) Business | | | |
| 5. | Occupation/ Business/ Profession | | | |
| 6. | Annual income in the preceding financial year (in Rs.) | | | |
| 7. | List of associates of the guarantor, including relatives, who are its creditors | Name | Age | Address |
| | | | | |
| 8. | Bank account details (Joint and Several) | Account number | IFSC code | Name of Bank and Branch address |
| | | | | |
| 9. | Identification number | Aadhaar number | Passport number | PAN GSTIN |
| | | | | |
| 10. | Contact No.(s) | Home | Mobile | Business |
| | | | | |
| 11. | List of assets of guarantor and immediate family as on the application date. Note: This will include all assets of guarantor, irrespective of them being excluded assets. Please mention which assets may be excluded assets. | Immovable | Description | Estimated value Excluded asset or not |
| | | | | |
| | | Movable | Description | Estimated value Excluded asset or not |
| | | Vehicles | | |
| | | Shares in listed companies | | |
| | | Shares in other companies | | |
| | | Life insurance policy | | |
| | | Jewellery | | |
| | | Pension policy | | |
| | | Investment in mutual funds | | |

| | | | | | |
|-----|--|--|--|--|--|
| | | Investment in other funds | | | |
| | | Investment in partnerships and other business concerns | | | |
| | | Any other movable property | | | |
| 12. | Number of directorships held in the last three preceding years (along with name of company in which directorship is held) and CIN of such companies | | | | |
| 13. | Marital status (single, married, divorced, widowed, co-habiting, separated, or specify if any other) | | | | |
| 14. | Details regarding guarantee(s) given by guarantor (in addition to information in serial numbers 1-13 of this part)- | | | | |
| | Name of corporate debtor for which guarantee is given | | | | |
| | Any current or past position held in the corporate debtor | | | | |
| | Identification number of corporate debtor | | | | |
| | Whether corporate debtor is an associate | | | | |
| | Any securities held in corporate debtor for whom guarantee is given | | | | |
| | Whether the guarantee has been invoked and proof thereof. | | | | |
| 15. | Where the guarantor is not a resident in India, the name and address of the person authorised to accept the service of process on guarantor's behalf, along with the authority letter. | | | | |

Part – II

[Please complete this part if you have been self-employed, or a partner in a firm. If not, go to part III]

| BUSINESS PARTICULARS OF GUARANTOR | | |
|-----------------------------------|--|--|
| 1. | Name of business and form of business | |
| 2. | Details of registration, if any | |
| 3. | Description of business | |
| 4. | Business address | |
| 5. | Annual income of guarantor | |
| 6. | If business organisation is a firm, mention the details below. | |
| (i) | Date of joining firm | |
| (ii) | Capital subscription as per latest balance sheet | |
| (iii) | Profit sharing as per latest balance sheet | |
| (iv) | Name, address and authority of person submitting application on behalf of the firm | |

Part - III

| PARTICULARS OF DEBT [CREDITOR WISE, AS APPLICABLE] | | | |
|---|--|--|--------------------|
| 1. | Name(s) of creditor(s) | | |
| 2. | Address | Present | Permanent Business |
| | | | |
| 3. | Total debt (including any interest or penalties) | | |
| 4. | Amount of debt in default | | |
| 5. | Interest or penalties, if any | | |
| 6. | Date when the debt was due | | |
| 7. | Date when the default occurred | | |
| 8. | Nature of the debt | | |
| 9. | Name, address and other particulars of corporate debtor | | |
| 10. | Secured debt including particulars of security held, the date of its creation, estimated value of security as per the creditor and details of security | | |
| 11. | Unsecured debt | | |
| 12. | Details of retention of title arrangements (if any) in respect of goods to which the debt refers | | |
| 13. | Record of default with the information utility, if any | | |
| 14. | List of documents attached to this application in order to prove the existence of debt and the amount in default | | |
| 15. | Statement by guarantor in respect of excluded debts | <p>I [<i>guarantor</i>] hereby state that the debt(s) for which the insolvency resolution process application is filed does not include any-</p> <p>(i) liability to pay fine imposed by a court or tribunal;</p> <p>(ii) liability to pay damages for negligence, nuisance or breach of a statutory, contractual or other legal obligation;</p> <p>(iii) liability to pay maintenance to any person under any law for the time being in force;</p> <p>(iv) liability in relation to a student loan;</p> <p>(v) any other debt prescribed under section 79(15)(e) of the Code.</p> | |

Part IV

| PARTICULARS OF & DECLARATION BY RESOLUTION PROFESSIONAL (IF APPLICATION FILED THROUGH RESOLUTION PROFESSIONAL) | | | |
|---|---------------------|---------|--------------------|
| 1. | Title and full name | | |
| 2. | Address | Present | Permanent Business |
| | | | |
| 3. | E-mail address(es) | | |

| | | | | |
|----|--|--|--------|----------|
| 4. | Contact number | Home | Mobile | Business |
| 5. | Declaration by resolution professional | <p>I, [<i>name of insolvency professional</i>], an insolvency professional enrolled with [<i>name of insolvency professional agency</i>] having registration number [<i>registration number</i>] have been proposed as the resolution professional by [<i>name of applicant guarantor</i>] in connection with the proposed insolvency resolution process of [<i>name of the guarantor</i>].</p> <p>I hereby:</p> <p>(i) agree to accept appointment as the resolution professional if an order of appointment is passed by the Adjudicating Authority;</p> <p>(ii) state that the registration number allotted to me by the Board is [<i>insert registration number</i>] and that I am currently qualified to practice as an insolvency professional;</p> <p>(iii) disclose that I am currently serving as an insolvency professional / resolution professional / liquidator/ bankruptcy trustee in [<i>insert number and details of the proceedings</i>];</p> <p>(iv) certify that there are no disciplinary proceedings pending against me with the Board or [<i>name of the insolvency professional agency he is a member of</i>];</p> <p>(v) affirm that I am eligible to be appointed as a resolution professional in respect of the guarantor in accordance with the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Resolution Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Regulations, 2019;</p> <p>(vi) make the following disclosures in accordance with the code of conduct for insolvency professionals as set out in the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Professionals) Regulations, 2016 [<i>insert disclosures, if any</i>].</p> <p>(Signature of the insolvency professional)</p> <p>(Name in block letters)</p> | | |

[*Name of the guarantor*] has paid the requisite fee for this application through [*state means of payment*] on [*date*].

Yours sincerely,

DECLARATION

| |
|---|
| Signature of guarantor / person authorised to act on behalf of the guarantor [<i>Please enclose the authorisation document if this application is being submitted on behalf of the guarantor</i>] |
| Name in block letters |
| Address of person signing |

I, [*Name of applicant*], currently residing at [*insert address*], hereby declare and state as follows:--

1. In respect of this application for insolvency resolution process, I have relied on the documents specified below: [*Please list the documents relied on*].

2. The contents of the said application along with the said documents are true, valid and genuine to the best of my knowledge, information and belief and nothing material facts have been concealed therefrom.

Date:

Place:

(Signature of the applicant)

VERIFICATION

I, [*name of applicant*], do hereby verify that the contents of this application are true and correct to my knowledge and belief. Nothing is false and no material has been concealed therefrom.

Verified at _____ on this _____ day of _____ 201__

(Signature of the Applicant)

ATTACHMENTS: List of documents to be appended to the application:

1. All documents mentioned in serial number 14 of Part III of this form.
2. Copy of the income tax returns with detailed computation of the income of the guarantor, or the firm, as the case may be, for the previous three years.
3. Copy of the personal guarantee contract.
4. Copies of entries in a bankers' book in accordance with the Bankers Books Evidence Act, 1891 (18 of 1891)
5. The latest and complete copy of the financial contract reflecting all amendments and waivers to date.
6. Copies of relevant ownership and title documents for all assets.
7. Copy of the authorisation, wherever required under this form.
8. Proof that the application fee has been paid.
9. Documentary evidence of all information sought in each entry for each Part of the form.
10. A statement of affairs of the guarantor made up to a date not earlier than seven days from the date of the application including the following information and supporting documents, namely:-
 - (i) guarantor's assets (inclusive of assets which may be excluded assets) and liabilities for the previous three years;
 - (ii) secured and unsecured debts (inclusive of excluded debts mentioned in serial number 15 of Part III of the form) with names of the creditors, and all requisite details for the previous three years;
 - (iii) particulars of debt owed by guarantor to associates of the corporate debtor for the previous three years;
 - (iv) guarantees given in relation to any of the debts of the corporate debtor, and if any of the guarantors is an associate of the corporate debtor;
 - (v) financial statements with all annexures and schedules for the business owned by the guarantor, or of the firm in which the guarantor is a partner, as the case may be, for the previous three years, if applicable;
 - (vi) wealth tax statements, if any, filed by the guarantor, for the previous five years;
 - (vii) income statement of the guarantor, for the previous three years;
 - (viii) payment of indirect taxes including GST for the previous three years.

FORM B

[See rule 7(1)]

FORM OF DEMAND NOTICE

[Under rule 7(1) of the Insolvency and Bankruptcy (Application to Adjudicating Authority for Insolvency Resolution Process of Personal Guarantors to Corporate Debtors) Rules, 2019]

[Date]

To

[Name and address of the guarantor]

From

[Name and address of the creditor]

Subject: Demand notice in respect of unpaid debt in default due from [corporate debtor] under the Code.

Madam/Sir,

1. This letter is a demand notice of unpaid debt in default due from [name of corporate debtor].
2. Please find particulars of the unpaid debt in default below:

| PARTICULARS OF DEBT | |
|----------------------------|--|
| 1. | Total outstanding debt (including any interest or penalties) |
| 2. | Amount of debt in default |
| 3. | Date when the debt was due |
| 4. | Date when the default occurred |
| 5. | Nature of the debt |
| 6. | Secured debt including particulars of security held, the date of its creation, its estimated value as per the creditor (as applicable), and details of securities |
| 7. | Unsecured debt (as applicable) |
| 8. | Details of retention of title arrangements (if any) in respect of goods to which the debt refers (attach a copy) |
| 9. | Particulars of an order of a court, tribunal or arbitral panel adjudicating on the default, if any (attach a copy of the order) |
| 10. | Record of default with the information utility, if any (attach a copy) |
| 11. | Details of succession certificate, or probate of a WILL, or letter of administration, or court decree (as may be applicable), under the Indian Succession Act, 1925 (10 of 1925) (attach a copy) |
| 12. | Provision of law, contract or other document under which debt has become due (attach a copy) |
| 13. | A statement of bank account where deposits are made or credits received normally by the creditor in respect of the debt of the corporate debtor, from the date on which the debt was incurred |
| 14. | List of documents attached to this notice in order to prove the existence of debt and the amount in default |

3. If you believe that the debt has been repaid before the receipt of this notice, please demonstrate such repayment by sending to us, within fourteen days of receipt of this notice, the following:--
 - (a) an attested copy of the record of electronic transfer of the unpaid amount from the bank account of the guarantor; or

- (b) evidence of encashment of cheque for the unpaid amount issued by the guarantor; or
- (c) an attested copy of any record that [*name of the creditor*] has received the payment.
4. The undersigned request you to unconditionally pay the unpaid debt in default in full within fourteen days from the receipt of this letter failing which insolvency resolution process, under the Code, shall be initiated against you

Yours sincerely,

Signature of creditor/person authorised to act on behalf of the creditor [*Please enclose the authorisation document if this notice is being issued on behalf of the creditor*]

Name in block letters

Address of person signing

Instructions

1. Please serve a copy of this notice on the guarantor, fourteen days in advance of filing an application under section 95 of the Code.
2. Please attach a copy of such served notice with the application made by the creditor to the Adjudicating Authority.

FORM C

[See rule 7(2)]

APPLICATION BY CREDITOR TO INITIATE INSOLVENCY RESOLUTION PROCESS

[*Under rule 7(2) of the Insolvency and Bankruptcy (Application to Adjudicating Authority for Insolvency Resolution Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Rules, 2019*]

[Date]

To

The Adjudicating Authority

[*Address*]

From

[*Name and address of the creditor*]

In the matter of [*name of the guarantor*]

Subject: Application to initiate insolvency resolution process in respect of [*name of the guarantor*] under the Code.

Madam/Sir,

[*Name of the creditor*], hereby submits this application to initiate an insolvency resolution process in the case of [*name of guarantor*].

The details for the purpose of this application are set out below:

Part - I

| PARTICULARS OF APPLICANT | | | | |
|--------------------------|----------------------------------|----------------|--------|----------|
| 1. | Title and full name | | | |
| 2. | Date of birth and e-mail address | | | |
| 3. | Contact number(s) | Home | Mobile | Business |
| | | | | |
| 4. | Identification number | Aadhaar number | CIN | PAN |
| | | | | |
| | | | | |

| | | | | |
|----|--|----------------|-----------|-------------------------------------|
| 5. | Address | Present | Permanent | Business |
| | | | | |
| 6. | Bank Account details (Joint and Several) | Account number | IFSC Code | Name of the Bank and Branch Address |
| | | | | |

Part – II

| PARTICULARS OF THE GUARANTOR | | | | | |
|-------------------------------------|--|------------------|-----------------|-------------------------------------|-----------------------|
| 1. | Title and full name | | | | |
| 2. | Date of birth and e-mail address (to the extent known) | | | | |
| 3. | Any other name by which the guarantor is or has been known (as applicable) (to the extent known) | | | | |
| 4. | Address | Present | Permanent | Business | |
| | | | | | |
| 5. | Occupation/ Business/ Profession | | | | |
| 6. | Annual income (to the extent known) | | | | |
| 7. | List of associates of the guarantor, including relatives, who may be creditors (to the extent known) | Name | Age | Address | |
| | | | | | |
| 8. | Bank account details (Joint and Several) | Account number | IFSC Code | Name of the bank and Branch address | |
| | | | | | |
| 9. | Identification number | Aadhaar number | Passport number | PAN | GSTIN |
| | | | | | |
| 10. | Contact number(s) | Home | Mobile | Business | |
| | | | | | |
| 11. | List of assets of guarantor as on the application date (to the extent known) Note: this will include all assets of guarantor, irrespective of them being excluded assets. | Immovable | Description | Estimated value | Excluded asset or not |
| | | | | | |
| | | Movable | Description | Estimated value | Excluded asset or not |
| | | | | | |
| | | Vehicles | | | |
| | | Shares in listed | | | |

| | | | | | |
|-----|--|--|--|--|--|
| | | companies | | | |
| | | Shares in other companies | | | |
| | | Life insurance policy | | | |
| | | Jewellery | | | |
| | | Pension policy | | | |
| | | Investment in mutual funds | | | |
| | | Investment in other funds | | | |
| | | Investment in partnerships and other business concerns | | | |
| | | Any other movable property | | | |
| 12. | Number of directorships held in the preceding three years (along with name of company in which directorship is held) and CIN of such companies | | | | |
| 13. | Marital status (single, married, divorced, widowed, co-habiting, separated, or specify any other) (to the extent known) | | | | |
| 14. | Details regarding personal guarantor (in addition to information in serial numbers 1-13 of this part) - | | | | |
| | Name of corporate debtor for which guarantee is given | | | | |
| | Any current or past position held in the corporate debtor (to the extent known) | | | | |
| | Identification number of the corporate debtor | | | | |
| | Whether corporate debtor is an associate (to the extent known) | | | | |
| | Any securities held in corporate debtor for whom guarantee is given | | | | |
| 15. | Where the guarantor is not resident in India, the name and address of person resident in India authorised to accept the service of process on guarantor's behalf | | | | |

Part-III

| PARTICULARS OF DEBT | | |
|----------------------------|---|--|
| 1. | Total debt (including any interest or penalties) | |
| 2. | Amount in default | |
| 3. | Date on which debt was due | |
| 4. | Date on which default occurred | |
| 5. | Nature of the debt | |
| 6. | Secured debt including particulars of security held, the date of its creation, its estimated value as per the creditor (as applicable) | |
| 7. | Unsecured debt (as applicable) | |
| 8. | Details of retention of title arrangements (if any) in respect of goods to which the debt refers (attach a copy) | |
| 9. | Details of any mutual credit, mutual debts, or other mutual dealings between the guarantor and the creditor, which may be set-off against the claim (attach proof) | |
| 10. | Particulars of an order of a court, tribunal or arbitral panel adjudicating on the default, if any (attach a copy of the order) | |
| 11. | Record of default with the information utility, if any (attach a copy) | |
| 12. | Details of succession certificate, or probate of a will, or letter of administration, or court decree (as may be applicable), under the Indian Succession Act, 1925 (10 of 1925) (attach a copy) | |
| 13. | Provision of law, contract or other document under which debt has become due (attach a copy) | |
| 14. | A statement of bank account where deposits are made or credits received normally by the creditor in respect of the debt of the corporate debtor, from the date on which the debt was incurred (attach a copy) | |
| 15. | List of documents attached to this application in order to prove the existence of debt and the amount in default | |
| 16. | Statement by creditor in respect of excluded debts | I [<i>creditor</i>] hereby state that the debt(s) for which the insolvency resolution process application is filed does not include any- <ul style="list-style-type: none"> (i) liability to pay fine imposed by a court or tribunal; (ii) liability to pay damages for negligence, nuisance or breach of a statutory, contractual or other legal obligation; (iii) liability to pay maintenance to any person under any law for the time being in force; (iv) liability in relation to a student loan; |

| | | |
|-----|--|---|
| | | (v) any other debt prescribed under section 79(15)(e) of the Code. |
| 17. | If you are a secured creditor, tick the applicable box in the right column relating to forfeiture of right to enforce security during the period of the repayment plan, which will determine the voting share as per section 110 of the Code | <input type="checkbox"/> I agree to forfeit my right to enforce my security <i>[insert description]</i> during the period of the repayment plan. <input type="checkbox"/> I do not agree to forfeit my right to enforce my security <i>[insert description]</i> during the period of the repayment plan. |

Part-IV

PARTICULARS OF & DECLARATION BY INSOLVENCY PROFESSIONAL (IF APPLICATION FILED THROUGH INSOLVENCY PROFESSIONAL)

| | | | | |
|----|--|--|-----------|----------|
| 1. | Title and full name | | | |
| 2. | Address | Present | Permanent | Business |
| | | | | |
| 3. | E-mail address(es) | | | |
| 4. | Contact number | Home | Mobile | Business |
| | | | | |
| 5. | Declaration by insolvency professional | <p>I, <i>[name of insolvency professional]</i>, an insolvency professional enrolled with <i>[name of insolvency professional agency]</i> having registration number <i>[registration number.]</i> have been proposed as the resolution professional by <i>[name of applicant guarantor]</i> in connection with the proposed insolvency resolution process of <i>[name of the guarantor]</i>.</p> <p>I hereby:</p> <p>(i) agree to accept appointment as the resolution professional if an order of appointment is passed by the Adjudicating Authority;</p> <p>(ii) state that the registration number allotted to me by the Board is <i>[insert registration number]</i> and that I am currently qualified to practice as an insolvency professional;</p> <p>(iii) disclose that I am currently serving as an interim resolution professional / resolution professional / authorized representative / liquidator/ bankruptcy trustee in <i>[insert number and details of the proceedings]</i>;</p> <p>(iv) certify that there are no disciplinary proceedings pending against me with the Board or <i>[name of the insolvency professional agency he is a member of]</i>;</p> <p>(v) affirm that I am eligible to be appointed as a resolution professional in respect of the guarantor in accordance with the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Resolution Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Regulations, 2019;</p> <p>(vi) make the following disclosures in accordance with the code of conduct for insolvency professionals as set out in the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Professionals) Regulations, 2016 <i>[insert disclosures, if any]</i>.</p> <p>(Signature of the insolvency professional)</p> | | |

[Name of the creditor] has paid the requisite fee for this application through *[state means of payment]* on *[date]*.

Yours sincerely,

Signature of creditor/ person authorised to act on behalf of the creditor *[Please enclose the authorisation document if this application is being submitted on behalf of the creditor]*

Name in block letters

Address of person signing

List of documents to be attached to the application:

1. All documents mentioned in serial number. 15 of Part III of this form.
2. Copy of the demand notice served on the guarantor in Form B.
3. Copy of the income tax returns with detailed computation of the income of the guarantor, or the firm, as the case may be, for the previous three years, if available.
4. Copy of the personal guarantee contract.
5. Copy of the authorisation, wherever required under this form.
6. Proof that the application fee has been paid.
7. Documents evidencing the debt and the default in relation to the debt, as may have been provided by the guarantor at any point in time, if available.
8. Documents evidencing the assets, liabilities, income and any other relevant information as may have been provided by the guarantor at any point in time, if available.
9. Documentary evidence of all information sought in each entry for each Part of the form.

Form D

[See rule 11(2)]

APPLICATION FOR WITHDRAWAL OF INSOLVENCY RESOLUTION PROCESS

[Under rule 11 (2) of the Insolvency and Bankruptcy (Application to Adjudicating Authority for Insolvency Resolution Process for Personal Guarantors) Rules, 2019]

[Date]

To

The Adjudicating Authority

[Address]

From

[Name and address of applicant]

In the matter of [name of guarantor]

Subject: Withdrawal of application for insolvency resolution process of [name of guarantor] admitted on

1. [Name of applicant], had filed an application bearing [particulars of application, i.e, diary number/ case number] on [date of filing] before the Adjudicating Authority under [Section 94/ Section 95] of the Code. The said application was admitted by the Adjudicating Authority on [date] bearing [case number].
2. I hereby withdraw the application bearing [particulars of application i.e, diary number/ case number] filed by [name of applicant] before the Adjudicating Authority under [Section 94/ Section 95] of the Code.
3. The creditor(s) have approved the request for withdrawal of the application under rule 11.
4. I have been authorised by the applicant to file this application of withdrawal with the Adjudicating Authority.(strike out if not applicable)
5. The required bank guarantee towards estimated cost incurred in the process by the resolution professional is attached.

(Signature of the applicant or person authorised by the applicant)

Date:

Place:

[F. No. 30/21/2018-Insolvency Section]
GYANESHWAR KUMAR SINGH, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 2019

सा.का.नि. 855(अ).—केन्द्रीय सरकार, दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 (2016 का 31) की धारा 79 की उपधारा (15) के खण्ड (ङ) और उपधारा (14) के खण्ड (ग) और (ङ), उप-धारा (2) और धारा 2 का खंड (ङ) के साथ पठित धारा 239 की उपधारा (2) का खंड (त), खंड (थ), खंड (द), खंड (ध), खंड (न), खंड (प), खंड (फ), खंड (ब), खंड (भ), खंड (म), खंड (यक), खंड (यख), खंड (यग) तथा उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है-

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.**—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दिवाला और शोधन अक्षमता (निगमित ऋणी के लिए व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाताओं के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए न्यायनिर्णयन प्राधिकारी को आवेदन) नियम, 2019 है।

(2) ये नियम 1 दिसंबर, 2019 से लागू होंगे।

2. **लागू होना.**—ये नियम निगमित ऋणी के लिए व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाताओं के लिए शोधन अक्षमता से संबंधित मामलों पर लागू होंगे।

3. **परिभाषाएं.**—(1) इन नियमों में, जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,-

(क) “न्यायनिर्णयन प्राधिकारी”

(i) धारा 60 के प्रयोजन के लिए, कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 408 के अधीन गठित राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण; या

(ii) उप-खंड (i) से भिन्न मामलों में, ऋण वसूली और शोधन अक्षमता अधिनियम, 1993 (1993 का 51) की धारा 3 की उप-धारा (1क) के अधीन स्थापित ऋण वसूली अधिकरण अभिप्रेत है;

(ख) “संहिता” से दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 (2016 का 31) अभिप्रेत है;

(ग) “इलेक्ट्रॉनिक प्ररूप” का अर्थ वही होगा जो सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (2000 का 21) की धारा 2 के खंड (द) में है;

(घ) “इलेक्ट्रॉनिक” में प्राधिकृत और संरक्षित कंप्यूटर प्रोग्राम अभिप्रेत है जो भाग लेने वाले व्यक्ति को पत्र भेजने की पुष्टि प्रस्तुत करने में सक्षम है और ऐसे व्यक्ति द्वारा दिए गए अंतिम इलेक्ट्रॉनिक मेल पते पर पत्रों को प्राप्त करने और ऐसे पत्रों का अभिलेख रखने के लिए अधिकृत है;

(ङ) “प्ररूप” से इन नियमों के साथ संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है;

(च) “प्रत्याभूतिदाता” से ऐसा देनदार अभिप्रेत है जो निगमित ऋणी का व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाता अभिप्रेत है और जिसके बारे में लेनदार द्वारा प्रत्याभूति मांगी गई है और वह पूर्णतः या अंशतः असदत्त रहती है;

(छ) “धारा” से संहिता की धारा अभिप्रेत है;

(ज) “तामील” से किसी भी साधन द्वारा जिसके अन्तर्गत रजिस्टर्ड पोस्ट, स्पीड पोस्ट, कोरियर या इलेक्ट्रॉनिक रूप भी हैं, द्वारा किया गया कोई संप्रेषण अभिप्रेत है जो ऐसे संप्रेषण की प्राप्ति की अभिस्वीकृति को प्रस्तुत करने या उत्पादन करने के लिए सक्षम है :

परंतु जहां कोई दस्तावेज़ किसी भी रीति से तामील नहीं किया जा सकता हो, उसे मकान या भवन के बाहरी द्वार या किसी अन्य सहजदृश्य भाग पर चिपकाया जाएगा जहां वह व्यक्ति सामान्यतः निवास करता है या अपने लाभ के लिए व्यापार या व्यक्तिगत रूप से कार्य करता है।

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं, और इन नियमों में परिभाषित नहीं हैं किंतु संहिता में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस संहिता में उनके हैं।

4. **संबंधी.**—धारा 79 की उपधारा (2) के स्पष्टीकरण के खंड (ii) के प्रयोजन के लिए संबंध की रीति का अर्थ वही होगा जैसा धारा 5 के खंड (24क) के स्पष्टीकरण में यथा-उपबंधित है।

5. **अपवर्जित आस्तियां.—**(1) धारा 79 की उप-धारा (14) के प्रयोजनों के लिए,-

(क) उक्त उपधारा के खंड (ग) के अधीन अविल्लंगमित वैयक्तिक आभूषणों का मूल्य एक लाख रुपये से अधिक नहीं होगा।

(ख) उक्त उप-धारा के खंड (ड) के अधीन ऋणी के स्वामित्व में अविल्लंगमित एकल निवास एकक का मूल्य,-

(i) शहरी क्षेत्र में निवास एकक के मामले में बीस लाख रुपये से अधिक नहीं होगा;

(ii) ग्रामीण क्षेत्र में निवास एकक के मामले में दस लाख रुपये से अधिक नहीं होगा।

स्पष्टीकरण.— इस नियम के प्रयोजन के लिए,-

(क) “ग्रामीण क्षेत्र” का अर्थ वही होगा जो राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 (2005 का 42) की धारा 2 के खंड(ण) में दिया गया है;

(ख) “शहरी क्षेत्र” से ग्रामीण क्षेत्र से भिन्न कोई अन्य क्षेत्र अभिप्रेत है।

6. **प्रत्याभूतिदाता द्वारा आवेदन.—**(1) धारा 122 की उपधारा (1) के अधीन आवेदन दो हजार रुपये के आवेदन शुल्क के साथ प्ररूप-क में प्रस्तुत किया जाएगा।

(2) प्रत्याभूतिदाता प्रत्येक वित्तीय लेनदार और निगमित ऋणी जिसके लिए प्रत्याभूतिदाता व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाता है, को उप-नियम (1) में निर्दिष्ट आवेदन की प्रति तुरंत भेजेगा।

7. **लेनदार द्वारा आवेदन.—**(1) धारा 123 की उपधारा (1) के अधीन आवेदन दो हजार रुपये के शुल्क के साथ प्ररूप-ख में प्रस्तुत किया जाएगा।

(2) लेनदार, प्रत्याभूतिदाता और निगमित ऋणी, जिसके लिए प्रत्याभूतिदाता व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाता है, को उप-नियम (1) में निर्दिष्ट आवेदन की प्रति तुरंत भेजेगा।

(3) संयुक्त आवेदन के मामले में, लेनदार अपने में से किसी एक को सभी लेनदारों की ओर से कार्रवाई करने के लिए नामनिर्दिष्ट कर सकते हैं।

8. **दिवाला वृत्तिक की पुष्टि या नामनिर्देशन.—**(1) बोर्ड, धारा 125 की उप-धारा (2) और धारा 145 की उप-धारा (5) के प्रयोजनों के लिए, दिवाला वृत्तिकों को डाटाबेस जिसके अन्तर्गत उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के बारे में सूचना भी है, समय-समय पर, न्यायनिर्णयन प्राधिकारी के साथ साझा कर सकेगा।

(2) बोर्ड, धारा 125 की उप-धारा (4), धारा 146 की उप-धारा (3) और धारा 147 की उपधारा (3) के प्रयोजनों के लिए, दिवाला वृत्तिकों के पैनल जिन्हें शोधन अक्षमता ट्रस्टी के रूप में नियुक्त किया जा सके, को न्यायनिर्णयन प्राधिकारी के साथ साझा कर सकेगा।

9. **सार्वजनिक सूचना.—**(1) न्यायनिर्णयन प्राधिकारी, धारा 130 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन सभी दिवाला लेनदारों से दावे आमंत्रित करने के लिए प्ररूप-ग में सार्वजनिक सूचना जारी करेगा।

(2) न्यायनिर्णयन प्राधिकारी स्वयं ऐसी सूचना जारी करने की बजाए उप-नियम (1) में निर्दिष्ट शोधन अक्षमता ट्रस्टी को सार्वजनिक सूचना जारी करने के लिए निदेशित कर सकता है।

10. **लेनदारों को सूचना.—**(1) न्यायनिर्णयन प्राधिकारी, धारा 130 की उपधारा (1) के खंड (क) के अनुसार प्ररूप-घ में लेनदारों को सूचना जारी करेगा।

(2) न्यायनिर्णयन प्राधिकारी स्वयं ऐसी सूचना जारी करने की बजाए उप-नियम (1) में निर्दिष्ट शोधन अक्षमता ट्रस्टी को सूचना जारी करने के लिए निदेशित कर सकता है।

11. **वित्तीय स्थिति का विवरण.—**(1) धारा 129 की उपधारा (2) में निर्दिष्ट वित्तीय स्थिति विवरण दिवाला हुए व्यक्ति द्वारा प्ररूप-ड में प्रस्तुत किया जाएगा।

12. **साक्ष्य सहित दावा.—**(1) लेनदार शोधन अक्षमता ट्रस्टी को सार्वजनिक सूचना में निहित अंतिम तारीख को या उससे पूर्व साक्ष्य सहित दावा प्ररूप-च में प्रस्तुत करेगा।

(2) लेनदार द्वारा इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से या रजिस्टर्ड पोस्ट या स्पीड पोस्ट या कोरियर द्वारा प्ररूप-च प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) लेनदार जो सार्वजनिक सूचना में निर्धारित समय के भीतर उप-नियम (1) के अनुसार साक्ष्य सहित दावा प्रस्तुत करने में असमर्थ रहता है, धारा 176 की उप-धारा (2) में निर्दिष्ट अंतिम तारीख तक शोधन अक्षमता ट्रस्टी को ऐसा साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है।

(4) लेनदार दावे के साक्ष्य से संबंधित लागत वहन करेगा।

13. लाभांश की सूचना.—(1) धारा 176 की उपधारा (1) के खंड (क) के अनुसार लाभांश की सूचना में निम्नलिखित विवरण निहित होगा :-

- (क) वह तारीख जिस पर लाभांश वितरित किया जाना प्रस्तावित है;
- (ख) उन लेनदारों की सूची जो लाभांश के पात्र होंगे;
- (ग) खंड (ख) के अधीन प्रत्येक लेनदार के लिए लाभांश की राशि;
- (घ) लाभांश के वितरण के लिए लेनदारों से अपेक्षित कतिपय ब्यौरों के लिए अनुरोध तथा ऐसी सूचना की प्राप्ति की अंतिम तारीख;
- (ङ) अंतिम तारीख जिस तक लेनदारों को शोधन अक्षमता ट्रस्टी के पास संपदा के समक्ष अपने दावे स्थापित करने आवश्यक हैं;
- (च) अगला ऐसा विवरण जो यह सत्यापित करे कि कोई और लाभांश घोषित नहीं किया जाएगा।

(2) धारा 176 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन सूचना में लाभांश घोषित न किए जाने के कारण दिए जाएंगे।

(3) धारा 176 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन लाभांश की सूचना लाभांश वितरित किए जाने की निर्दिष्ट तारीख से 30 दिन पूर्व भेजा जाएगा।

14. आवेदन की प्रति.—आवेदक, धारा 125 की उपधारा (5) के अधीन बोर्ड द्वारा नामित शोधन अक्षमता ट्रस्टी की नियुक्ति पर नियम 6 और नियम 7 में यथा-निर्दिष्ट आवेदन की प्रति, यदि पहले प्रदान न की गई हो, ऐसे शोधन अक्षमता ट्रस्टी को नियुक्ति के 03 दिनों के भीतर न्यायनिर्णयन प्राधिकारी द्वारा प्रदान की जाएगी।

15. दिवाला पर प्रतिरोध.—(1) धारा 141 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन दिवाला पर प्रतिरोध एक लाख रुपये अथवा अधिक के कतिपय वित्तीय अथवा वाणिज्यिक संव्यवहार के लिए लागू होगी।

16. आवेदन और दस्तावेज़ फाइल करना.—(1) जब तक संहिता के अधीन कार्यवाही के संचालन के लिए प्रक्रिया के नियम अधिसूचित किए जाएं, नियम 6 और नियम 7 के अधीन आवेदन फाइल किए जाएंगे और न्यायनिर्णयन प्राधिकारी द्वारा उन पर निम्नलिखित के अनुसार यथास्थिति कार्रवाई की जाएगी-

(क) कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 469 के अधीन बनाए गए राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण नियम, 2016 के भाग 3 के नियम 20, 21, 22, 23, 24 और 26; या

(ख) ऋण वसूली और शोधन अक्षमता अधिनियम, 1993 (1993 का 51) की धारा 36 के अधीन बनाए गए ऋण वसूली अधिकरण (प्रक्रिया) नियम, 1993 का नियम 3 और ऋण वसूली और शोधन अक्षमता अधिनियम, 1993 की धारा 22 के अधीन बनाए गए ऋण वसूली अधिकरण विनियम, 2015 के विनियम 3, 4, 5 और 11, जैसा भी मामला हो।

(2) आवेदन और संलग्न दस्तावेज़ों को, जब भी ऐसी सुविधा उपलब्ध हो और न्याय-निर्णयन प्राधिकारी द्वारा यथा-निर्देशित हो, इलेक्ट्रॉनिक रूप में फाइल किया जाएगा :

परंतु जब तक ऐसी सुविधा उपलब्ध कराई जाए, आवेदक संलग्न दस्तावेज़ों को और जब ये वृहद रूप में हों तो इन्हें इलैक्ट्रॉनिक रूप में स्कैन करके डाटा स्टोरेज डिवाइस में लिजिबल पोर्टेबल डॉक्यूमेंट फॉर्मेट जैसे कम्पैट डिस्क या यूएसबी फ्लैश ड्राइव, जो न्यायनिर्णयन प्राधिकरण को स्वीकार्य हो, भेजेगा।

प्ररूप-क

(नियम 6(1) देखें)

दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने के लिए प्रत्याभूतिदाता द्वारा आवेदन**[दिवाला और शोधन अक्षमता (निगमित ऋणी के लिए व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाता के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए न्यायनिर्णयन प्राधिकारी को आवेदन) नियम, 2019 के नियम 6 के अधीन]**

[तारीख]

सेवा में,

न्यायनिर्णयन प्राधिकारी

(पता)

प्रेषक

(प्रत्याभूतिदाता का नाम और पता)

(प्रत्याभूतिदाता का नाम) के मामले में

विषय: [प्रत्याभूतिदाता का नाम] के संबंध में दिवाला समाधान प्रक्रिया आरंभ करने के लिए आवेदन।

महोदया/महोदय,

मैं/हम [प्रत्याभूतिदाता का नाम] के बारे में दिवाला समाधान प्रक्रिया आरंभ करने के लिए आवेदन प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं। इस आवेदन के प्रयोजन के लिए ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :-

भाग-1

| प्रत्याभूतिदाता की विशिष्टियां | | | | |
|--------------------------------|---|-------------|-----------------|----------------------------|
| 1. | शीर्षक और पूरा नाम | | | |
| 2. | जन्म की तारीख और ई-मेल पता | | | |
| 3. | कोई अन्य नाम, यदि कोई हो, जिससे प्रत्याभूतिदाता जाना जाता है या जाना गया है | | | |
| 4. | पता : (i) वर्तमान (ii) स्थायी (iii) कारबार | | | |
| 5. | उपजीविका/व्यापार/व्यवसाय | | | |
| 6. | पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में वार्षिक आय (रुपये में) | | | |
| 7. | संबंधियों सहित प्रत्याभूतिदाता के साथियों, जो उसके लेनदार हैं, की सूची | नाम | आयु | पता |
| 8. | बैंक खाते के ब्यौरे (संयुक्त और अनेक) | खाता संख्या | आईएफएससी कोड | बैंक का नाम और शाखा का पता |
| 9. | पहचान संख्या | आधार संख्या | पासपोर्ट संख्या | पैन |
| | | | | जीएसटीआईएन |

| 10. | दूरभाष संख्या | आवास | मोबाईल | कारबार | |
|-----|--|---|--------|------------------|---------------------------------------|
| 11. | <p>आवेदन की तारीख को प्रत्याभूतिदाता और उसके परिवार की आस्तियों की सूची</p> <p>टिप्पण : इसमें, अपवर्जित आस्तियों जिसके अन्तर्गत प्रत्याभूतिदाता की सभी आस्तियों शामिल भी हैं। कृपया अपवर्जित की जा सकने वाली आस्तियों का उल्लेख करें।</p> | अचल | वर्णन | प्राक्कलित मूल्य | अपवर्जित की गई या नहीं की गई आस्तियां |
| | | | | | |
| | | चल | वर्णन | प्राक्कलित मूल्य | अपवर्जित की गई या नहीं की गई आस्तियां |
| | | वाहन | | | |
| | | सूचीबद्ध कंपनियों में शेयर | | | |
| | | अन्य कंपनियों में शेयर | | | |
| | | जीवन बीमा पॉलिसी | | | |
| | | आभूषण | | | |
| | | पेंशन पॉलिसी | | | |
| | | म्यूचुअल फंड में निवेश | | | |
| | | अन्य निधियों में निवेश | | | |
| | | साझेदारी और अन्य व्यापारिक कारबार में निवेश | | | |
| | | कोई अन्य चल संपत्ति | | | |
| 12. | <p>पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान धारित निदेशक पदों की संख्या (कंपनी जिसमें निदेशक पद धारित किया गया है, के नाम सहित निदेशक पहचान संख्या) और ऐसी कंपनियों का सीआईएन</p> | | | | |

| | | |
|-----|---|--|
| 13. | वैवाहिक प्रास्थिति (अविवाहित, विवाहित, तलाकशुदा, विधवा, सह-वास, पृथक रहना या कोई अन्य हैं, तो विनिर्दिष्ट करें) | |
| 14. | प्रत्याभूतिदाता द्वारा दी गई प्रत्याभूति के बारे में ब्यौरे (इस भाग की क्रम संख्या 1-13 में दी गई सूचना के अतिरिक्त)- | |
| | कारपोरेट देनदार का नाम जिसके लिए गारंटी दी गई है | |
| | कारपोरेट देन दार द्वारा धारित वर्तमान या विगत पद | |
| | कारपोरेट देनदार की पहचान संख्या | |
| | संहिता की धारा 79(2) के तहत क्या कारपोरेट देनदार सहयोगी है | |
| | कारपोरेट देनदार द्वारा धारित कोई प्रतिभूति जिसके लिए गारंटी दी गई है | |
| 15. | यदि प्रत्याभूतिदाता भारत का निवासी नहीं है, प्रत्याभूतिदाता की ओर से प्राधिकरण के साथ प्रक्रिया की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति का नाम और पता | |

भाग-II

[कृपया इस भाग को पूरा करें यदि आप स्व:नियोजित हैं या फर्म में साझेदार हैं। यदि नहीं तो भाग-3 पर जाएं]

| प्रत्याभूतिदाता के कारबार का ब्यौरा | |
|-------------------------------------|---|
| 1. | कारबार का नाम और कारबार का प्ररूप |
| 2. | रजिस्ट्रीकरण का विवरण यदि कोई हो |
| 3. | कारबार का वर्णन |
| 4. | कारबार का पता |
| 5. | प्रत्याभूतिदाता की वार्षिक आय |
| 6. | यदि कारबार संगठन कोई फर्म है, तो नीचे ब्यौरे उल्लिखित करें |
| (i) | फर्म में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख |
| (ii) | नवीनतम तुलन-पत्र के अनुसार पूंजीगत अंशदान |
| (iii) | नवीनतम तुलन-पत्र के अनुसार लाभ में हिस्सेदारी |
| (iv) | फर्म की ओर से आवेदन प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति का नाम, पता और प्राधिकार |
| 7. | कारबार आरंभ करने की तारीख और संचालन समाप्ति की तारीख (यदि कोई हो) |
| 8. | पता जहां लेखा/ लेखांकन के दस्तावेज रखे गए हैं (सॉफ्ट प्रति सहित) |
| 9. | यदि कर्मचारी जो ऋणी है (हां या ना दर्शाएं, यदि हां तो भाग III) |

भाग - III

| ऋण की विवरण [लेनदार-वार, यथा-लागू] | | | | |
|------------------------------------|---|--|--------|--------|
| 1. | लेनदार (रों) का नाम | | | |
| 2. | पता | वर्तमान | स्थायी | कारबार |
| | | | | |
| 3. | कुल ऋण (ब्याज या शास्तियों सहित) | | | |
| 4. | चूक ऋण की रकम | | | |
| 5. | ब्याज या शास्तियां, यदि कोई हो | | | |
| 6. | तारीख जब ऋण देय था | | | |
| 7. | तारीख जब चूक हुई | | | |
| 8. | ऋण की प्रकृति | | | |
| 9. | धारित प्रतिभूति की विशिष्टताओं सहित प्रतिभूति ऋण, इसके सृजन की तारीख, लेनदार के अनुसार प्रतिभूति का प्राक्कलित मूल्य और प्रतिभूति का व्यौरा | | | |
| 10. | अप्रतिभूत ऋण | | | |
| 11. | माल जिसके लिए ऋण लिया है, के बारे में स्वत्वाधिकार व्यवस्थाओं (यदि कोई हो) को बनाए रखने के व्यौरे | | | |
| 12. | सूचना उपयोगिता सहित चूक का रिकार्ड, यदि कोई हो | | | |
| 13. | ऋण के होने को सिद्ध करने के लिए इस आवेदन के साथ लगाए गए दस्तावेजों की सूची और चूक की रकम | | | |
| 14. | अपवर्जित ऋण के बारे में प्रत्याभूतिदाता द्वारा दिया गया कथन | <p>मैं [प्रत्याभूतिदाता] कथन करता हूँ कि ऋण जिनके लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया आवेदन फाइल किया गया है, में निम्नलिखित में से कोई सम्मिलित नहीं है –</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) न्यायालय या अधिकरण द्वारा अधिरोपित जुर्माने के भुगतान का दायित्व ; (ii) लापरवाही, बाधा या सांविधिक, अनुबंधात्मक या अन्य विधिक दायित्व के भंग होने के लिए नुकसानों के भुगतान का दायित्व; (iii) तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन किसी व्यक्ति को भरण-पोषण के भुगतान का दायित्व; (iv) विद्यार्थी ऋण के संबंध में दायित्व; (v) संहिता की धारा 79(15)(ड) के अधीन विहित कोई अन्य ऋण। | | |

भाग IV

| दिवाला वृत्तिक (यदि शोधन अक्षमता न्यासी के रूप में कार्य करने के लिए प्रस्ताव किया गया है) द्वारा विशिष्टियां और उसके द्वारा घोषणा | | | |
|--|-----------------------------|---|--------|
| 1. | उपनाम और पूरा नाम | | |
| 2. | पता | वर्तमान | स्थायी |
| | | | कारबार |
| 3. | ई-मेल पता (पते) | | |
| 4. | दूरभाष संख्या | आवास | मोबाइल |
| | | | कारबार |
| 5. | दिवाला वृत्तिक द्वारा घोषणा | <p>मुझे, [दिवाला वृत्तिक का नाम] रजिस्ट्रीकरण संख्या [रजिस्ट्रीकरण संख्या] के साथ दिवाला वृत्तिक के रूप में अभ्यावेशित [दिवाला वृत्तिक का नाम], को [प्रत्याभूतिदाता का नाम] की प्रस्तावित दिवाला समाधान प्रक्रिया के संबंध में [आवेदक प्रत्याभूतिदाता का नाम] द्वारा समाधान वृत्तिक के रूप में प्रस्तावित किया गया है।</p> <p>मैं,:</p> <p>(i) दिवाला वृत्तिक के रूप में नियुक्ति को स्वीकार करने के लिए सहमत हूँ यदि न्यायनिर्णयन प्राधिकारी द्वारा नियुक्ति का आदेश जारी किया जाता है;</p> <p>(ii) कथन करता हूँ कि मुझे बोर्ड द्वारा आबंटित रजिस्ट्रीकरण संख्या [रजिस्ट्रीकरण संख्या अंतःस्थापित करें] आबंटित की गई है और यह कि मैं इस समय पर दिवाला वृत्तिक के रूप में कार्य करने के लिए अर्हता प्राप्त हूँ;</p> <p>(iii) प्रकट करता हूँ कि मैं इस समय [संख्या और कार्यवाहियों के व्यौरे अंतःस्थापित करें] दिवाला वृत्तिक/समाधान वृत्तिक/समापक/शोधन अक्षमता न्यासी के रूप में कार्य कर रहा हूँ;</p> <p>(iv) प्रमाणित करता हूँ कि मेरे विरुद्ध बोर्ड या [दिवाला वृत्तिक अभिकरण का नाम जिसका वह सदस्य है] कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही लंबित नहीं है;</p> <p>(v) अभिपुष्टि करता हूँ कि मैं भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (निगमित ऋणी के लिए व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाताओं के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियमन, 2019 के विनियम 3 के अनुसार प्रत्याभूतिदाता के संबंध में समाधान वृत्तिक के रूप में नियुक्ति के लिए अर्हक हूँ;</p> <p>(vi) भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (दिवाला वृत्तिक) विनियमन, 2016 में वर्णित दिवाला वृत्तिकों के लिए आचार संहिता के अनुसार निम्नलिखित जानकारी प्रदान करता हूँ [जानकारी, यदि कोई हो, अंतःस्थापित करें]।</p> <p>(दिवाला वृत्तिक के हस्ताक्षर)</p> | |

भवदीय,

| |
|---|
| प्रत्याभूतिदाता/प्रत्याभूतिदाता की ओर से कार्य करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर [कृपया प्राधिकार दस्तावेज़ संलग्न करें, यदि इस आवेदन को प्रत्याभूतिदाता की ओर से प्रस्तुत किया जा रहा है] |
| नाम बड़े अक्षरों में |
| हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति का पता |

घोषणा

मैं, [आवेदक का नाम], इस समय [पता अंतःस्थापित करें], पर रह रहा हूँ, घोषणा करता हूँ और निम्नानुसार कथन करता हूँ :-

1. शोधन अक्षमता प्रक्रिया के लिए इस आवेदन के बारे में, मुझे नीचे विनिर्दिष्ट दस्तावेज़ों पर विश्वास है: [कृपया उन दस्तावेज़ों की सूची दें जिन पर निर्भर हैं]
2. उक्त दस्तावेज़ों सहित इस आवेदन की विषय-वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी, सूचना और विश्वास में सत्य, वैध और वास्तविक हैं तथा इसमें कोई महत्वपूर्ण तथ्य छुपाया नहीं गया है।

तारीख:

स्थान:

(आवेदक के हस्ताक्षर)

सत्यापन

मैं, [आवेदक का नाम] यह सत्यापित करता हूँ कि इस आवेदन की विषय-वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी, सूचना और विश्वास में सत्य, वैध और वास्तविक हैं तथा इसमें कोई महत्वपूर्ण तथ्य छुपाया नहीं गया है।

आज तारीख मास 2019 को सत्यापित

.....

आवेदक के हस्ताक्षर

संलग्नक : आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेज़ों की सूची

1. प्रत्याभूतिदाता के संबंध में दिवाला समाधान प्रक्रिया के सभी दस्तावेज़ निम्नलिखित सहित:-
 - (i) दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए आवेदन।
 - (ii) न्यायानिर्णयन प्राधिकारी के आदेश-
 - (क) संहिता की धारा 100 के उल्लिखित क्रम संख्या (2) के तहत आवेदन की स्वीकृत/अस्वीकृत जैसा भी मामला हो
 - (ख) संहिता की धारा 114 के अधीन पुनः भुगतान की स्वीकृति/अस्वीकृति
 - (ग) धारा 118 के अधीन पुनः भुगतान की योजना का पूर्ण रूप से लागू न की जाने की घोषणा और ऋणी को ऋण शोधन अक्षमता के लिए हकदार मानना, जैसा भी मामला हो
 - (घ) दिवाला समाधान प्रक्रिया के संबंध में न्यायानिर्णयन प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया कोई अन्य आदेश
2. इस प्ररूप के भाग 3 के क्रम संख्या में दर्शाए सभी दस्तावेज़
3. प्रत्याभूतिदाता या फर्म की पूर्णवर्ती 3 वर्षों की आयकर कार्यकलन सहित आयकर विवरणी की प्रति, या जैसा भी मामला हो।
4. वैयक्तिक गारंटी अनुबंध की प्रति
5. बैंकर्स बही साक्ष्य अधिनियम, 1891 (1891 का 18) के साथ बैंकर्स बही में की गई प्रतिष्ठियों की प्रतियां
6. वित्तीय अनुबंध जिसमें सभी संशोधन और छूट शामिल है, की पूर्ण और नवीनतम प्रति।

7. सभी शास्तियों की स्वामित्व और स्वत्वाधिकार से तहत आवश्यक हो
8. अधिकार पत्र की प्रति, जहां भी इस प्ररूप के तहत आवश्यक हो
9. आवेदन शुल्क जमा किये जाने का साक्ष्य
10. प्ररूप के प्रत्येक भाग के लिए प्रत्येक प्रविष्टी के लिए दी गई सूचना के लिए दस्तावेजी साक्ष्य
11. निम्नलिखित सूचना और समर्थनकारी दस्तावेजों सहित प्रत्याभूतिदाता के मामलों का आज की तारीख तक का एक कथन जो इस आवेदन की तारीख से दो दिन से पहले का न हो, अर्थात्:
 - (i) पिछले तीन वर्ष के लिए प्रत्याभूतिदाता की आस्तियों (उन आस्तियों सहित जो आस्तियों से अलग की जा सकें) और दायित्व;
 - (ii) लेनदारों के नामों सहित प्रत्याभूत और अप्रत्याभूत ऋणों (इस प्ररूप के भाग 3 के क्रम संख्यांक 14 में उल्लिखित पृथक ऋणों को सम्मिलित करते हुए), और पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए सभी अपेक्षित ब्यौरे;
 - (iii) पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए निगमित ऋणी के सहयोगी के लिए प्रत्याभूतिदाता द्वारा लिए गए ऋण का ब्यौरा;
 - (iv) निगमित ऋणी के किन्हीं ऋणों के संबंध में दी गई प्रत्याभूतियां, और यदि कोई प्रत्याभूतिदाता निगमित ऋणी का कोई सहयोगी है;
 - (v) प्रत्याभूतिदाता के स्वामित्वाधीन व्यवसाय के लिए सभी अनुलग्नों और अनुसूचियों के साथ वित्तीय विवरणी, या फर्म यथास्थिति, जिसमें प्रत्याभूतिदाता भागीदार है, पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए, यदि लागू हो;
 - (vi) संपदा कर विवरणियां, यदि कोई हो, प्रत्याभूतिदाता द्वारा फाइल की गई, पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए;
 - (vii) पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए, प्रत्याभूतिदाता की आय विवरणी;
 - (viii) पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए जीएसटी सहित अप्रत्यक्ष करों का भुगतान।

प्ररूप ख

[नियम 7(1) देखें]

दिवाला समाधान प्रक्रिया आरंभ करने के लिए लेनदार द्वारा आवेदन

[दिवाला और शोधन अक्षमता (निगमित ऋणी के लिए व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाताओं की दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए न्याय-निर्णयन प्राधिकारी को आवेदन) नियम, 2019 के नियम 7 के अधीन]

(तारीख)

सेवा में,

न्याय-निर्णयन प्राधिकारी

[पता]

प्रेषक

[लेनदार का नाम और पता]

[प्रत्याभूतिदाता का नाम] के मामले में

विषय: दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता के अधीन (प्रत्याभूतिदाता का नाम) के संबंध में दिवाला समाधान प्रक्रिया आरंभ करने संबंधी आवेदन

महोदया/महोदय,

[लेनदार का नाम] [प्रत्याभूतिदाता का नाम] के मामले में दिवाला समाधान प्रक्रिया आरंभ करने के लिए यह आवेदन प्रस्तुत करता है। इस आवेदन के प्रयोजनार्थ ब्यौरों का नीचे वर्णन दिया गया है -

भाग - I

| आवेदक की विशिष्टियां | | | | | |
|----------------------|-------------------------|-------------|--------|--------|------------|
| 1. | पदनाम और पूरा नाम | | | | |
| 2. | जन्म तारीख और ई-मेल पता | | | | |
| 3. | संपर्क संख्या | घर | मोबाइल | कारबार | |
| 4. | पहचान संख्या | आधार संख्या | सीआईएन | पैन | जीएसटीआईएन |
| 5. | पता | वर्तमान | स्थायी | कारबार | |

भाग-2

| प्रत्याभूतिदाता की विशिष्टियां | | | | | |
|--------------------------------|---|----------------------------|--------------|----------------------------|---------------------------|
| 1. | शीर्षक और पूरा नाम | | | | |
| 2. | जन्म तारीख और ई-मेल पता (जहां तक ज्ञात) | | | | |
| 3. | अन्य कोई नाम, जिससे प्रत्याभूतिदाता जाना जाता है या जाना गया है (जो लागू हो) (जहां तक ज्ञात हो) | | | | |
| 4. | पता | वर्तमान | स्थायी | कारबार | |
| 5. | पेशा/कारबार/वृत्ति | | | | |
| 6. | वार्षिक आय (ज्ञात) | | | | |
| 7. | रिश्तेदारों सहित प्रत्याभूतिदाता के सहायकों की सूची, जो लेनदार (जहां तक ज्ञात हो) हो सकते हैं | नाम | आयु | पता | |
| 8. | बैंक खाता ब्यौरा (संयुक्त और पृथक) | खाता संख्या | आईएफएससी कोड | बैंक का नाम और शाखा का पता | |
| 9. | पहचान संख्या | आधार संख्या | सीआईएन | पैन | जीएसटीआईएन |
| 10. | दूरभाष संख्या | घर | मोबाइल | कारबार | |
| 11. | आवेदन की तारीख को प्रतिभूतिदाता की आस्तियों की सूची (ज्ञात) टिप्पण: इसमें प्रत्याभूतिदाता की सभी आस्तियां सम्मिलित होंगी, चाहे वे अपवर्जित आस्तियां हों। | अचल | वर्णन | प्राक्कलित मूल्य | अपवर्जित आस्ति है या नहीं |
| | | चल | वर्णन | प्राक्कलित मूल्य | अपवर्जित आस्ति है या नहीं |
| | | वाहन | | | |
| | | सूचीबद्ध कंपनियों में शेयर | | | |

| | | | | | |
|-----|--|--|--|--|--|
| | | अन्य कंपनियों में शेयर | | | |
| | | जीवन बीमा पॉलिसी | | | |
| | | आभूषण | | | |
| | | पेंशन पॉलिसी | | | |
| | | म्यूचुअल फंड में निवेश | | | |
| | | अन्य फंड में निवेश | | | |
| | | साझीदारी और अन्य कारबार उपक्रमों में निवेश | | | |
| | | कोई अन्य चल संपत्ति | | | |
| 12. | पूर्ववर्ती तीन वर्षों में धारित निदेशक के पदों की संख्या (उस कंपनी के नाम सहित जिसमें निदेशक का पद धारित किया है) और ऐसी कंपनियों के सीआईएन (जहां तक ज्ञात हो) | | | | |
| 13. | वैवाहिक प्रास्थिति (एकल, विवाहित, तलाकशुदा, विधवा, सहवासी, पृथक, या कोई अन्य निर्दिष्ट करें (जहां तक ज्ञात हो) | | | | |
| 14. | व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाता के संबंध में ब्यौरों (इस भाग के क्रम संख्या 1 से 13 में सूचना के अतिरिक्त) | | | | |
| | निगमित ऋणी का नाम जिसके लिए गारंटी दी गई है | | | | |
| | निगमित ऋणी द्वारा धारित कोई वर्तमान या विगत पद (जहां तक ज्ञात हो) | | | | |
| | निगमित ऋणी की पहचान संख्या | | | | |
| | क्या निगमित ऋणी एक सहयोगी है (जहां तक ज्ञात हो) | | | | |
| | निगमित ऋणी में धारित कोई प्रतिभूतियां जिनके लिए गारंटी दी गई है | | | | |
| 15. | जहां प्रत्याभूतिदाता भारत में निवास नहीं करता है, भारत में निवासी व्यक्ति का नाम और पता जिसे प्रत्याभूतिदाता की ओर से आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए अधिकृत किया था। | | | | |

भाग III

ऋण की विशेषियां

| ऋण की विशेषियां | | |
|-----------------|---|--|
| 1. | कुल ऋण (किसी ब्याज या शास्तियों सहित) | |
| 2. | चूक की रकम | |
| 3. | तारीख जिसको ऋण देय था | |
| 4. | तारीख जिसको चूक हुई थी | |
| 5. | ऋण की प्रकृति | |
| 6. | धारित प्रतिभूति के विवरण सहित प्रतिभूत ऋण, इसके सृजन की तारीख, देनदार के अनुसार उसका प्राक्कलित मूल्य (यथा लागू) | |
| 7. | अप्रतिभूत ऋण (यथा लागू) | |
| 8. | उन वस्तुओं के संबंध में स्वाधिकार व्यवस्थाएं (यदि कोई हों) के धारण का ब्यौरा जिनसे ऋण संबंधित है (प्रति संलग्न करें) | |
| 9. | प्रतिभू और लेनदार के बीच किसी परस्पर जमा, परस्पर ऋण या अन्य परस्पर व्यापार का ब्यौरा जिसे दावे के विरुद्ध मुजर्राई किया जा सकता है (प्रमाण संलग्न करें)। | |
| 10. | चूक के संबंध में किसी न्यायालय, अधिकरण या पंचाट पैनल न्यायनिर्णयन का विवरण, यदि कोई हो (आदेश की एक प्रति संलग्न करें) | |
| 11. | सूचना उपयोगिता के साथ चूक का रिकॉर्ड, यदि कोई हो (प्रति संलग्न करें) | |
| 12. | भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 10) के अधीन उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, या वसीयत संप्रमाण या प्रशासन का पत्र, या न्यायालय की डिग्री (जैसा लागू हो) (प्रति संलग्न करें) | |
| 13. | विधि, संविदा या अन्य दस्तावेज का प्रावधान जिसके अधीन ऋण देय हो गया है (प्रति संलग्न करें) | |
| 14. | बैंक खाते का विवरण, जहां निगमित ऋणी के ऋण के संबंध में लेनदार द्वारा सामान्यतया जमाएं की गई हैं या जमाएं प्राप्त हुई हैं, उस तारीख से जिसको ऋण दिया था (प्रति संलग्न करें) | |
| 15. | ऋण की विद्यमानता और चूक रकम को सिद्ध करने के लिए इस आवेदन के साथ संलग्न दस्तावेजों की सूची | |
| 16. | इस संहिता की धारा 123(2) के अधीन प्रतिभूत लेनदार का कथन | <p>✓ का निशान लगाएं जो लागू हो:-</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ यदि आवेदन स्वीकार करते हुए कोई दिवाला आदेश न्यायनिर्णयन अधिकरण द्वारा पारित किया गया है, में ऋणदाता के सभी लेनदारों के लाभ के लिए क्रम संख्या 6 में |

| | | |
|-----|---|--|
| | | <p>उल्लिखित मेरी प्रतिभूति को त्याग दूंगा।</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ यह आवेदन केवल क्रम संख्या 7 में उल्लिखित व्यौरे के अनुसार अप्रतिभूत ऋण के संबंध में है। |
| 17. | अपवर्जित किए गए ऋणों के संबंध में लेनदार का कथन | <p>मैं (लेनदार) यह उल्लेख करता हूँ कि ऋण (ऋणों) जिसके लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया आवेदन फाइल किया गया है, इनमें से निम्न सम्मिलित नहीं है</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) किसी न्यायालय या अधिकरण द्वारा लगाए गए जुर्माने का भुगतान करने का दायित्व; (ii) लापरवाही, बाधा या किसी सांविधिक, संविदागत या अन्य विधिक बाध्यता को भंग करने के लिए क्षतिपूर्ति का भुगतान करने का दायित्व; (iii) उस समय लागू किसी विधि के अंतर्गत किसी व्यक्ति के लिए भरण-पोषण का भुगतान करने का दायित्व; (iv) किसी विद्यार्थी ऋण के संबंध में दायित्व; (v) इस संहिता की धारा 79(15)(ड) के अधीन निर्धारित कोई अन्य ऋण |

भाग-IV

| दिवाला वृत्तिक का ब्यौरा और उसके द्वारा घोषणा (यदि दिवाला न्यासी के रूप में कार्य करना प्रस्तावित है) | | | |
|---|-----------------------------|--|--------|
| 1. | पदनाम और पूरा नाम | | |
| 2. | पता | वर्तमान | स्थायी |
| | | | कारबार |
| 3. | ई-मेल पता (पते) | | |
| 4. | संपर्क दूरभाष | घर | मोबाइल |
| | | | कारबार |
| 5. | दिवाला वृत्तिक द्वारा घोषणा | <p>मैं, [दिवाला वृत्तिक का नाम], रजिस्ट्रीकरण संख्या (रजिस्ट्रीकरण संख्या) सहित दिवाला वृत्तिक (दिवाला वृत्तिक एजेंसी का नाम) से दिवाला वृत्तिक नामांकित होकर (प्रत्याभूतिदाता का नाम) की प्रस्तावित दिवाला समाधान प्रक्रिया के संबंध में समाधान वृत्तिक के रूप में (आवेदक प्रत्याभूतिदाता का नाम) द्वारा प्रस्तावित किया गया हूँ।</p> <p>मैं:-</p> <p>(i) समाधान वृत्तिक के रूप में नियुक्ति स्वीकार करने के लिए सहमत हूँ यदि नियुक्ति का आदेश न्याय-निर्णयन प्राधिकारी द्वारा पारित किया गया है;</p> <p>(ii) यह उल्लेख करता हूँ कि इस बोर्ड द्वारा मुझे आबंटित रजिस्ट्रीकरण संख्या (रजिस्ट्रीकरण संख्या रखें) है और कि मैं इस समय एक दिवाला वृत्तिक के रूप में कार्य करने के लिए अर्हता प्राप्त हूँ;</p> <p>(iii) यह प्रकट करता हूँ कि मैं इस समय (कार्यवाहियों की संख्या और ब्यौरा रखें) एक अंतरिम समाधान वृत्तिक/समाधान वृत्तिक/प्राधिकृत प्रतिनिधि/समापक/आशोधन न्यासी के रूप में कार्य कर रहा हूँ;</p> <p>(iv) प्रमाणित करता हूँ कि मेरे विरुद्ध बोर्ड या (दिवाला वृत्तिक एजेंसी का नाम जिसका वह एक सदस्य है) के विरुद्ध कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित नहीं है;</p> <p>(v) पुष्टि करता हूँ कि मैं भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता (निगमित ऋणी के लिए व्यक्तिगत प्रत्याभूतिदाताओं के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया (विनियमन), 2019 के अनुसार प्रत्याभूतिदाता के संबंध में एक समाधान वृत्तिक के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए पात्र हूँ;</p> <p>(vi) भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता (दिवाला व्यवसायी) विनियम, 2016 में दिए गए दिवाला वृत्तिकों के लिए आचार संहिता के अनुसार निम्नलिखित प्रकटीकरण करता हूँ (प्रकटीकरण सम्मिलित करें, यदि कोई हो)</p> <p>(दिवाला वृत्तिक के हस्ताक्षर)</p> | |

भवदीय,

लेनदार की ओर से कार्य करने के लिए लेनदार/ प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर [कृपया प्राधिकार दस्तावेज संलग्न करें यदि यह आवेदन लेनदार की ओर से प्रस्तुत किया जा रहा है]

स्पष्ट अक्षरों में नाम

हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति का पता

आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेजों की सूची

1. निम्नलिखित सहित प्रतिभूतिदाता के संबंध में दिवाला समाधान प्रक्रिया के सभी अभिलेख –
 - (i) दिवाला समाधान प्रक्रिया संबंधी आवेदन;
 - (ii) न्यायनिर्णयन अधिकरण के आदेश –
 - (क) उक्त क्रम संख्या (i) के अधीन आवेदन को स्वीकार/अस्वीकार करना, जैसा भी मामला हो;
 - (ख) पुनर्भूतदायी योजना को अनुमोदित/निरस्त करना, जैसा भी मामला हो;
 - (ग) शोधन अक्षमता के लिए लेनदार को आवेदन करने के लिए पात्र बनाना;
 - (iii) ऐसा कोई अन्य आदेश जो दिवाला समाधान प्रक्रिया के संबंध में न्यायनिर्णयन अधिकरण द्वारा पास किया गया हो सकता है।
2. इस प्ररूप के भाग III के क्रम संख्या 15 में उल्लिखित सभी दस्तावेज।
3. पूर्ववर्ती तीन वर्ष के लिए, यदि लागू हो, प्रत्याभूतिदाता या फर्म, यथास्थिति की आय की आयकर विवरणियां, आयकर की संगणना सहित, की प्रति।
4. व्यक्तिगत प्रत्याभूति संविदा की प्रति।
5. प्राधिकार की प्रति, जहां इस प्ररूप के अंतर्गत अपेक्षित हो।
6. आवेदन शुल्क का भुगतान किए जाने का सबूत।
7. ऋण के संबंध में ऋण और चूक का साक्ष्य देने वाले दस्तावेज जैसा कि किसी समय प्रत्याभूति द्वारा प्रदान किया गया हो, यदि उपलब्ध हो।
8. आस्तियां, देयताएं, आय तथा कोई अन्य संगत सूचना प्रमाणित करने वाले दस्तावेज जैसा कि किसी समय प्रत्याभूति द्वारा प्रदान किया गया हो, यदि उपलब्ध हो।
9. इस प्ररूप के प्रत्येक भाग के लिए प्रत्येक प्रविष्टि में मांगी गई सभी सूचना के साक्ष्य का दस्तावेजी प्रमाण।

प्ररूप ग

[नियम 9(1) देखें]

पब्लिक सूचना

(दिवाला और शोधन अक्षमता (कारपोरेट देनदार व्यक्तिगत प्रतिभूतिदाताओं के लिए शोधन अक्षमता प्रक्रिया का न्यायनिर्णयन प्राधिकरण को आवेदन) नियम, 2019 के नियम 9(1) के अधीन

लेनदारों के ध्यानाकर्षण के लिए [शोधनाक्षम का पूरा नाम और उपनाम (कारपोरेट देनदार का नाम) का (व्यक्तिगत प्रतिभूतिदाता)]

सूचित किया जाता है कि [इस संहिता की धारा 60 के अधीन ऋणशोधनाक्षम के मामले में ऋण वसूली अधिकरण/राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण] ने [ऋणशोधनाक्षम का नाम] निवासी [ऋण शोधनाक्षम का अंतिम ज्ञात पता] के विरुद्ध तारीख [ऋणशोधनाक्षमता आरंभ होने की तारीख तारीख] के विरुद्ध ऋणशोधनाक्षमता प्रक्रिया को प्रारंभ करने का आदेश दिया गया है।

[ऋणशोधनाक्षम का नाम] के लेनदार(रों) को ऋणशोधनाक्षमता न्यासी [पता] के समक्ष तारीख अथवा इससे पूर्व [पब्लिक नोटिस जारी करने की तारीख से सात दिन के भीतर पड़ने वाली तारीख अंतःस्थापित करें] अपने दावे प्रमाण सहित प्रस्तुत करने की मांग की जाती है।

लेनदारों के दावों की प्रस्तुति की अंतिम [तारीख] होगी। लेनदार अपने दावे इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों अथवा दस्ती या पंजीकृत डाक अथवा स्पीड पोस्ट या कुरियर के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं।

दिवाला शोधनाक्षमता न्यासी का अतिरिक्त ब्यौरा: [दिवालाशोधनाक्षमता न्यासी का नाम, अंतिम ज्ञात पता, ई-मेल पता, दूरभाष संख्या और रजिस्ट्रीकरण संख्या]

टिप्पण: प्रमाण सहित असत्य और मिथ्या दावे प्रस्तुत करने पर दिवाला और ऋण शोधनक्षमता संहिता, 2016 और लागू किसी अन्य विधियों के उपबंधों के अनुसार, शास्तियां अथवा कारावास का दंड दिया जाएगा।

प्ररूप घ

[नियम 10(1) देखें]

लेनदार के लिए सूचना

(दिवाला और शोधन अक्षमता (कारपोरेट देनदार व्यक्तिगत प्रतिभूतिदाताओं के लिए शोधन अक्षमता प्रक्रिया का न्यायनिर्णयन प्राधिकरण को आवेदन) नियम, 2019 के नियम 10(1) के अधीन)

सेवा में,

[लेनदार का नाम और पता]

प्रेषक

[न्यायनिर्णयन प्राधिकारी]

सूचना दी जाती है कि [संहिता की धारा 60 के अधीन दिवाला के मामले में ऋण वसूली अधिकरण/राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण] ने [शोधन अक्षमता प्रारंभ होने करने की तारीख] को [दिवाला का अंतिम ज्ञात पता] के निवासी [शोधन अक्षम व्यक्ति का उपनाम और पूरा नाम] के विरुद्ध शोधन अक्षमता प्रक्रिया प्रारंभ करने का आदेश दिया है।

आपके नाम का उल्लेख शोधन अक्षमता प्रक्रिया के लिए आवेदन में प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार शोधन अक्षम के लेनदार के तौर पर किया गया है। आपसे अनुरोध है कि आप शोधन अक्षमता न्यासी (पता) को [सार्वजनिक घोषणा जारी होने की तारीख से सातवें की तारीख लिखें] को या उससे पहले आपके बकाया ऋण के प्रमाण के साथ दावा प्रस्तुत करें।

दावों को प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख [तारीख] होगी। आप अपना दावा इलेक्ट्रॉनिक माध्यम या दस्ती या रजिस्ट्रीकृत डाक या स्पीड पोस्ट या कूरियर के माध्यम से भेज सकते हैं।

शोधन अक्षमता न्यासी का अतिरिक्त विवरण: [शोधन अक्षम न्यासी का नाम, अंतिम ज्ञात पता, ई-मेल पता, दूरभाष और रजिस्ट्रीकरण संख्या]

टिप्पण: प्रमाण सहित मिथ्या या भ्रामक दावे प्रस्तुत करने पर दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 और अन्य किसी लागू विधि के उपबंधों के अनुसरण में जुर्माना या कारावास की दंड का भागीदार होगा।

तारीख और स्थान:

प्ररूप इ

[देखें नियम 11]

शोधन अक्षम की वित्तीय स्थिति का विवरण

(दिवाला और शोधन अक्षमता (कारपोरेट देनदार व्यक्तिगत प्रतिभूतिदाताओं के लिए शोधन अक्षमता प्रक्रिया का न्यायनिर्णयन प्राधिकरण को आवेदन) नियम, 2019 के नियम 11 के अधीन)

भाग I

| संबंधित विवरण | | | | |
|---------------|--------------------------------------|-------------|-------------|---------------------|
| 1. | शोधन अक्षम का पूरा नाम | | | |
| 2. | पता | वर्तमान | स्थायी | व्यावसायिक |
| 3. | बैंक खाते का विवरण (संयुक्त और अनेक) | खाता संख्या | आईएफएसी कोड | बैंक और शाखा का नाम |

| | | | | | |
|------|--|--|-------|----------------|--------------------------------------|
| 4. | शोधन अक्षम की आस्तियों की सूची और वर्तमान परिवार का आवेदन की तारीख को पिछले तीन वर्षों का विवरण | अचल संपत्तियां | विवरण | अनुमानित मूल्य | आस्तियां शामिल की गई हैं या नहीं। |
| | नोट: इसमें शोधन अक्षम की आस्तियां सम्मिलित की जाएगी चाहे उन्हें बाहर रखा गया हो। कृपया उन आस्तियों का भी उल्लेख करें जिन्हें बाहर रखा गया है। | | | | |
| | | अचल संपत्ति | विवरण | अनुमानित मूल्य | आस्तियां सम्मिलित की गई हैं या नहीं। |
| | | वाहन | | | |
| | | सूचीबद्ध कंपनियों में शेयर | | | |
| | | अन्य कंपनियों में शेयर | | | |
| | | जीवन बीमा पॉलिसी | | | |
| | | जेवरात | | | |
| | | पेंशन पॉलिसी | | | |
| | | म्यूचुअल फंड में निवेश | | | |
| | | अन्य फंड में निवेश | | | |
| | | अन्य संबंधित व्यवसाय और हिस्सेदारी में निवेश | | | |
| | | अन्य कोई संपत्ति जो उपरोक्त में सम्मिलित नहीं है | | | |
| 5. | गारंटीकर्ता द्वारा गारंटी के संबंध में दी जाने वाली अपेक्षित सूचनाएं | | | | |
| i. | कारपोरेट देनदार का नाम, जिसके लिए गारंटी दी गई है | | | | |
| ii. | कारपोरेट देनदार की वर्तमान व पूर्व की स्थिति | | | | |
| iii. | क्या कारपोरेट देनदार एक सहयोगी है | | | | |
| iv. | कारपोरेट देनदार जिसके लिए गारंटी दी गई है, के पास किसी तरह की प्रतिभूतियां | | | | |
| 6. | भारत में रहने वाले किसी अधिकृत व्यक्ति का नाम जो शोधन अक्षम व्यक्ति की ओर से प्रक्रिया की सेवा स्वीकार कर सके (यदि लागू हो) | | | | |

भाग II

वित्तीय सूचनाएं

| | | |
|----|---|--|
| 1. | पिछले तीन वर्षों के लिए आस्तियों और दायित्वों का ब्यौरा | |
| 2. | पिछले तीन वर्षों के लिए लेनदारों का विवरण जिसमें उनके नाम और डाकपता और कुल बकाया राशि और कोई राशि, भुगतान न की जाने वाली राशि और प्रतिभूतियों का विवरण सहित | |
| 3. | पिछले तीन वर्षों में शोधन अक्षम व्यक्ति के सहयोगी द्वारा लिए गए ऋण का विवरण | |
| 4. | गारंटीकर्ता के किसी ऋण के संबंध में दी गई गारंटी का विवरण, और यदि कोई गारंटीकर्ता, गारंटीकर्ता का सहयोगी है तो विवरण दें। | |
| 5. | पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए शोधन अक्षम व्यक्ति के स्वामित्व वाला व्यवसाय या किसी फर्म, जैसा भी मामला हो, जिसमें दिवालिया एक हिस्सेदार है, का विवरण दें। | |
| 6. | शोधन अक्षम व्यक्ति द्वारा पिछले पांच वर्षों के लिए फाइल किए गए संपत्ति कर का विवरण | |
| 7. | शोधन अक्षम व्यक्ति या उसके परिवार द्वारा रखे जाने वाले ट्रस्टों का विवरण | |
| 8. | संबंधित अन्य कोई सूचना | |

प्ररूप च

[नियम 12(1) देखें]

लेनदार द्वारा सबूत सहित दावा

(दिवाला और शोधन अक्षमता (कारपोरेट देनदार को वैयक्तिक प्रतिभूतिदाताओं के लिए शोधन अक्षमता प्रक्रिया के लिए न्यायनिर्णयन प्राधिकरण को आवेदन) नियम, 2019 के नियम 12 के अधीन

[तारीख]

सेवा में,

शोधनक्षमता न्यासी,

[शोधनक्षमता न्यासी का नाम]

[पब्लिक सूचना में दिया गया पता]

प्रेषक

[लेनदार का नाम और पता]

विषय: सबूत सहित दावों का प्रस्तुतिकरण

महोदया/महोदय,

[लेनदार का नाम], [शोधन अक्षम व्यक्ति का नाम] के मामले में शोधनक्षमता प्रक्रिया के संबंध में दावे के उस सबूत सहित प्रस्तुत करता हूं।

| क्र.सं. | विवरण | | | | |
|---------|---|---|--------|-----------|------------|
| 1. | लेनदार का पूरा नाम और शीर्षक | | | | |
| 2. | लेनदार की पहचान संख्या | आधार | पैन | सीआईएन | जीएसटीआईएन |
| 3. | पता | वर्तमान | स्थायी | व्यवसायिक | |
| 4. | दावे की कुल राशि (शोधन अक्षमता प्रारंभ होने की तारीख पर किसी तरह के ब्याज सहित) | | | | |
| 5. | संदर्भित उन दस्तावेजों का विवरण, जिनसे ऋण सिद्ध किया जा सके | | | | |
| 6. | किसी विवाद और ऐसे विवाद के अभिलेख का विवरण टिप्पण: 'विवाद' में अभियोग और मध्यस्थता संबंधी कार्यवाही और ऋण के अस्तित्व वैधता पर विवाद संबंधी न्यायिक प्रक्रिया सम्मिलित हैं। | | | | |
| 7. | ऋण के कारण तथा ऋण के पता लगने की तारीख | | | | |
| 8. | शोधन अक्षम व्यक्ति और लेनदार के बीच में पारस्परिक जमा, पारस्परिक ऋण या अन्य पारस्परिक लेनदेन जिनसे दावे के मुकाबले निर्धारित किए जा सकें। | | | | |
| 9. | दावे से संदर्भित वस्तुओं और संपत्तियों के संबंध में अधिकार व्यवस्था को बनाए रखने का विवरण | | | | |
| 10. | बैंक खाते का विवरण जिसमें दावे की राशि या उसका किसी अन्य भाग के पुनः भुगतान योजना के तहत हस्तांतरण किया जा सके। | | | | |
| 11. | धारित किसी प्रतिभूति का विवरण (उनका मूल्य तथा जारी की जाने की तारीख सहित) | | | | |
| 12. | केवल प्रतिभूत लेनदार के लिए | | | | |
| | जहां लागू हो चिन्हित करें – <ul style="list-style-type: none"> ▪ प्रतिभूति ब्याज को लागू किया जा रहा है ▪ प्रतिभूति ब्याज छोड़ा जा रहा है | | | | |
| | यदि प्रतिभूति को छोड़ा जा रहा है तो कृपया दाएं में दिए गए कॉलम में प्रतिभूति त्यागने के विवरण को पूर्ण करें | <p>मैं [प्रतिभूत लेनदार का नाम] [विषय का विवरण और प्रतिभूत ब्याज की प्रकृति लिखें] जो [शोधन अक्षम व्यक्ति का नाम] द्वारा [प्रतिभूत ब्याज के सृजन की तारीख लिखें] को सृजित की गई को [प्रतिभूत ब्याज को सृजन करने की परिस्थितियों की व्याख्या अंतःस्थापित करें] के कारण संहिता के अनुसार लाभांश प्राप्त करने के अधिकार के अलावा अपनी प्रतिभूत ब्याज और ऐसे प्रतिभूत ब्याज पर आधारित किसी संपत्ति में किसी प्रकार के दावे, अधिकार, लियन या ब्याज त्यागता हूं, और छोड़ने की घोषणा करता हूं।</p> <p>प्रतिभूत लेनदार के हस्ताक्षर, या प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर</p> | | | |

| | | |
|-----|---|--|
| 13. | लेनदार के वर्तमान और उसे देय दावे के गैर-भुगतान को सिद्ध करने के लिए दावे के सबूत के रूप में संलग्न दस्तावेजों की सूची | |
| 14. | बैंक खाते का विवरण जिसमें शोधन अक्षमता प्रक्रिया के तहत लेनदार के हिस्से को जमा किया जा सके। | |
| | लेनदार के हस्ताक्षर या उसकी ओर से प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर [यदि लेनदार की ओर से प्रस्तुत किए जाने की स्थिति में प्रमाण पत्र संलग्न करें।] | |
| | स्पष्ट अक्षरों में नाम | |
| | हस्ताक्षरकर्ता का पता | |

घोषणा

मैं, [दावेदार का नाम], वर्तमान [पता लिखें] पते का निवासी हूँ, और यह घोषणा करते हुए निम्नलिखित उल्लेख करता हूँ:

1. [शोधन अक्षम व्यक्ति का नाम], देनदार – तारीख माह 20 से शोधन अक्षमता प्रक्रिया आरंभ होने की तारीख को वास्तव में और सत्य रूप से रुपए [दावे की धनराशि लिखें], मेरा ऋणी था।
2. उक्त राशि के दावे या उसके किसी हिस्से के संबंध में, मैंने नीचे निर्दिष्ट दस्तावेजों पर विश्वास किया है:

[सबूत के रूप में उन दस्तावेजों की सूची, जिन पर विश्वास किया गया]

3. उक्त दस्तावेज मेरी जानकारी, सूचना और विश्वास के अनुसार सत्य, वैध और यथार्थ हैं।
4. उपरोक्त राशि या उसके किसी भाग के संबंध में न तो मैंने, न ही मेरी जानकारी या विश्वास के अनुसार मेरे आदेश से किसी व्यक्ति ने, निम्नलिखित के अलावा मेरे प्रयोग के लिए किसी प्रकार की संतुष्टि या प्रतिभूति ली या प्राप्त की है:

[कृपया शोधन अक्षम व्यक्ति या लेनदार के बीच पारस्परिक जमा, पारस्परिक ऋण या अन्य कोई पारस्परिक लेनदेन का उल्लेख करें, जिससे दावे का निर्धारण किया जा सके]

तारीख:

स्थान:

(दावाकर्ता का नाम)

सत्यापन

मैं, [नाम] उपरोक्त दावाकर्ता सत्यापित करता हूँ कि इस दावे की सबूत सहित विषय वस्तु के सबूत मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है तथा इसमें किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी को छिपाया नहीं गया है।

..... दिन20 को सत्यापित

[दावाकर्ता के हस्ताक्षर]

[फा. सं. 30/21/2018-दिवाला अनुभाग]

ज्ञानेश्वर कुमार सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS**NOTIFICATION**

New Delhi, the 15th November, 2019

G.S.R. 855(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (p), (q), (r), (s), (t), (u), (v), (w), (x), (y), (z), (za), (zb) and (zc) of sub-section (2) of section 239 read with clause (e) of section 2 and sub-section (2), clauses (c) and (e) of sub-section (14) and clause (e) of sub-section (15) of section 79 of the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 (31 of 2016), the Central Government hereby makes the following rules, namely-

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Insolvency and Bankruptcy (Application to Adjudicating Authority for Bankruptcy Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Rules, 2019.
(2) They shall come into force from the 1st day of December, 2019.
2. **Application.**—These rules shall apply to matters relating to bankruptcy of personal guarantors to corporate debtors.
3. **Definitions.**—(1) In these rules, unless the context otherwise requires, -
 - (a) “Adjudicating Authority” means-
 - (i) for the purpose of section 60, the National Company Law Tribunal constituted under section 408 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013); or
 - (ii) in cases other than sub-clause (i), the Debt Recovery Tribunal established under sub-section (1A) of section 3 of the Recovery of Debts and Bankruptcy Act, 1993 (51 of 1993);
 - (b) “Code” means the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 (31 of 2016);
 - (c) “electronic form” shall have the meaning assigned to it in clause (r) of section 2 of the Information Technology Act, 2000 (21 of 2000);
 - (d) “electronic means” means an authorized and secured computer programme which is capable of producing confirmation of sending communication to the participant entitled to receive such communication at the last electronic mail address provided by such participant and keeping record of such communication;
 - (e) “form” means a form appended to these rules;
 - (f) “guarantor” means a debtor who is a personal guarantor to a corporate debtor and in respect of whom guarantee has been invoked by the creditor and remains unpaid in full or part;
 - (g) “section” means section of the Code;
 - (h) “serve” means sending any communication by any means, including registered post, speed post, courier or electronic means, which is capable of producing or generating an acknowledgement of receipt of such communication:

Provided that where a document cannot be served in any of the modes, it shall be affixed at the outer door or some other conspicuous part of the house or building in which the addressee ordinarily resides or carries on business or personally works for gain.
- (2) Words and expressions used and not defined in these rules, but defined under the Code, shall have the meanings respectively assigned to them in the Code.
4. **Relatives.**— For the purposes of clause (ii) of Explanation to sub-section (2) of section 79, the manner of relationship shall mean the manner as provided in the Explanation to clause (24A) of section 5.
5. **Excluded assets.**— For the purposes of sub-section (14) of section 79, —
 - (a) the value of unencumbered personal ornaments under clause (c) of the said sub-section shall not exceed one lakh rupees;
 - (b) the value of unencumbered single dwelling unit owned by the debtor under clause (e) of the said sub-section shall not exceed, —

- (i) in the case of dwelling unit in an urban area, twenty lakh rupees;
- (ii) in the case of dwelling unit in rural area, ten lakh rupees.

Explanation.- For the purposes of this rule,-

- (a) “rural area” shall have the same meaning as assigned to it in clause (o) of section 2 of the National Rural Employment Guarantee Act, 2005 (42 of 2005);
- (b) “urban area” means any area other than rural area.

- 6. Application by guarantor.**— (1) The application under sub-section (1) of section 122 shall be submitted in Form A, along with an application fee of two thousand rupees.
- (2) The guarantor shall serve forthwith a copy of the application referred to in sub-rule (1) to every creditor and the corporate debtor for whom the guarantor is a personal guarantor.
- 7. Application by creditor.**— (1) The application under sub-section (1) of section 123 shall be submitted in Form B, along with a fee of two thousand rupees.
- (2) The creditor shall serve forthwith a copy of the application referred to in sub-rule (1) to the guarantor and the corporate debtor for whom the guarantor is a personal guarantor.
- (3) In case of a joint application, the creditors may nominate one amongst themselves to act on behalf of all the creditors.
- 8. Confirmation or nomination of insolvency professional.**— (1) For the purposes of sub-section (2) of section 125 and sub-section (5) of section 145, the Board may share the database of the insolvency professionals, including information about disciplinary proceedings against them, with the Adjudicating Authority from time to time.
- (2) For the purposes of sub-section (4) of section 125, sub-section (3) of section 146 and sub-section (3) of section 147, the Board may share a panel of insolvency professionals, who may be appointed as bankruptcy trustee, with the Adjudicating Authority.
- 9. Public notice.** — (1) The Adjudicating Authority shall issue a public notice inviting claims from all creditors of the bankrupt, under clause (b) of sub-section (1) of section 130, in Form C.
- (2) The Adjudicating Authority may direct the bankruptcy trustee to issue the public notice referred to in sub-rule (1), instead of issuing such notices itself.
- 10. Notice to creditors.**— (1) The Adjudicating Authority shall send notices to the creditors as per clause (a) of sub-section (1) of section 130, in Form D.
- (2) The Adjudicating Authority may direct the bankruptcy trustee to issue the notices referred to in sub-rule (1), instead of issuing such notices itself.
- 11. Statement of financial position.** — The statement of financial position referred to in sub-section (2) of section 129 shall be submitted by the bankrupt, in Form E.
- 12. Claim with proof.**— (1) A creditor shall submit a claim with proof to the bankruptcy trustee on or before the last date mentioned in the public notice, in Form F.
- (2) Form F shall be submitted by the creditor through electronic means or by registered post or speed post or courier.
- (3) A creditor who fails to submit claim with proof as per sub-rule (1) within the time stipulated in the public notice, may submit such proof to the bankruptcy trustee till the final date referred to in sub-section (2) of section 176.
- (4) The creditor shall bear the costs relating to the proof of claim.
- 13. Notice of dividend.**— (1) The notice of dividend as per clause (a) of sub-section (1) of section 176 shall contain the following particulars: —
- (a) the date on which the dividend is proposed to be distributed;
 - (b) the list of creditors who shall be entitled to a dividend;
 - (c) the amount of dividend for each creditor under clause (b);

- (d) request for any details required from the creditors for the distribution of dividend, and the last date for receipt of such information;
- (e) the last date by which the creditors must establish their claim against the estate with the bankruptcy trustee; and
- (f) a statement confirming that no further dividends shall be declared.
- (2) The notice under clause (b) of sub-section (1) of section 176 shall provide the reasons for not declaring dividend.
- (3) The notice of dividend under sub-section (1) section 176 shall be sent thirty days prior to the date specified for the distribution of dividend.
- 14. Copy of application.**— On the appointment of the bankruptcy trustee, nominated by the Board, under sub-section (5) of section 125 by the Adjudicating Authority, a copy of the application as referred to in rule 6 and rule 7, if not provided earlier, shall be provided to such bankruptcy trustee by the Adjudicating Authority within three days of the appointment.
- 15. Restriction on bankrupt.**—The restriction on the bankrupt under clause (d) of sub-section (1) of section 141 shall be applicable for any financial or commercial transaction of one lakh rupees and above.
- 16. Filing of application and documents.**—(1) Till such time, rules of procedure for conduct of proceedings under the Code are notified, the applications under rules 6 and 7 shall be filed and dealt with by the Adjudicating Authority in accordance with —
- (i) rules 20, 21, 22, 23, 24 and 26 of Part III of the National Company Law Tribunal Rules, 2016 made under section 469 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013); or
- (ii) rule 3 of the Debt Recovery Tribunal (Procedure) Rules, 1993 made under section 36 of the Recovery of Debts and Bankruptcy Act, 1993 (51 of 1993) and regulations 3, 4, 5 and 11 of the Debt Recovery Tribunal Regulations, 2015 made under section 22 of the Recovery of Debts and Bankruptcy Act, 1993, as the case may be.
- (2) The application and accompanying documents shall be filed in electronic form, as and when such facility is made available and as directed by the Adjudicating Authority:
- Provided that till such facility is made available, the applicant may submit accompanying documents, and wherever they are bulky, in electronic form, in scanned, legible portable document format in a data storage device such as compact disc or a USB flash drive acceptable to the Adjudicating Authority.

FORM A

[See rule 6(1)]

APPLICATION BY GUARANTOR TO INITIATE BANKRUPTCY PROCESS.

[Under rule 6 of the Insolvency and Bankruptcy (Application to Adjudicating Authority for Bankruptcy Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Rules, 2019]

[Date]

To,

The Adjudicating Authority

[Address]

From,

[Name and address of the guarantor]

In the matter of [name of the guarantor]

Subject: Application to initiate bankruptcy process in respect of [name of the guarantor].

Madam/Sir,

I/ We hereby submit this application to initiate a bankruptcy process in respect of [name of guarantor]. The details for the purpose of this application are set out below-

Part I

| PARTICULARS OF THE GUARANTOR | | | | |
|------------------------------|--|--|-----------------|-----------------------------------|
| 1. | Title and full name | | | |
| 2. | Date of birth and e-mail address | | | |
| 3. | Any other name by which the debtor is or has been known (as applicable) | | | |
| 4. | Address (i) Present (ii) Permanent (iii) Business | | | |
| 5. | Occupation/ Business/ Profession | | | |
| 6. | Annual income in the preceding year (in Rupees) | | | |
| 7. | List of associates of the <i>guarantor</i> , including relatives, who may be creditors | Name | Age | Address |
| | | | | |
| 8. | Bank account details (Joint and Several) | Account number | IFSC code | Name of Branch and Branch address |
| | | | | |
| 9. | Identification numbers | Aadhaar number | Passport number | PAN |
| | | | | |
| 10. | Contact number(s) | Home | Mobile | Business |
| | | | | |
| 11. | List of assets of guarantor and immediate family as on the application date. Note: this will include all assets, irrespective of them being excluded assets. Please mention which assets are the excluded assets. | Immovable | Description | Estimated value |
| | | Movable | Description | Estimated value |
| | | | | Excluded asset or not |
| | | | | Excluded asset or not |
| | | Vehicles | | |
| | | Shares in listed companies | | |
| | | Shares in other companies | | |
| | | Life insurance policy | | |
| | | Jewellery | | |
| | | Pension policy | | |
| | | Investment in mutual funds | | |
| | | Investment in other funds | | |
| | | Investment in partnerships and other business concerns | | |
| | | Any other movable property | | |

| | | |
|-----|--|--|
| 12. | Number of directorships held in the last three years (along with name of company in which directorship is held and Directors Identification Number) and CIN of such companies | |
| 13. | Marital status (single, married, divorced, widowed, co-habiting, separated, or specify any other) | |
| 14. | Details regarding guarantee given by guarantor (in addition to information in serial number 1-13 of this part) | |
| | Name of corporate debtor for which guarantee is given | |
| | Any current or past position held in the corporate debtor | |
| | Identification number of the corporate debtor | |
| | Whether corporate debtor is an associate as per section 79(2) of the Code (state how) | |
| | Any securities held in corporate debtor for whom guarantee is given | |
| 15. | Where the guarantor is not a resident in India, the name and address of the person authorized to accept the service of process on guarantor's behalf, along with the authority | |

Part – II

[Please complete this Part if you have been self-employed, or a partner in a firm. If not, go to Part III.]

| BUSINESS PARTICULARS OF GUARANTOR | | |
|-----------------------------------|--|--|
| 1. | Name of business and form of business | |
| 2. | Details of registration, if any | |
| 3. | Description of business | |
| 4. | Business address | |
| 5. | Annual income of guarantor | |
| 6. | If business organization is a firm, details mentioned below: | |
| (i) | Date of joining firm | |
| (ii) | Capital subscription as per latest balance sheet | |
| (iii) | Profit sharing as per latest balance sheet | |
| (iv) | Name, address and authority of person submitting application on behalf of the firm | |

| | | |
|----|--|--|
| 7. | Commencement date of business and date of close of operations (if applicable) | |
| 8. | Address where books of accounts / accounting records are kept (including soft copy records) | |
| 9. | Whether employees to whom debt owed (state yes or no, and if yes, details to be mentioned in Part III) | |

Part - III

| PARTICULARS OF DEBT [CREDITOR WISE, AS APPLICABLE] | | | | |
|---|--|--|-----------|----------|
| 1. | Name(s) of creditor(s) | | | |
| 2. | Address | Present | Permanent | Business |
| 3. | Total debt (including any interest or penalties) | | | |
| 4. | Amount of debt in default | | | |
| 5. | Interest or penalties, if any | | | |
| 6. | Date when the debt was due | | | |
| 7. | Date when the default occurred | | | |
| 8. | Nature of the debt | | | |
| 9. | Secured debt including particulars of security held, the date of its creation, estimated value of security as per the creditor | | | |
| 10. | Unsecured debt | | | |
| 11. | Details of retention of title arrangements (if any) in respect of goods to which the debt refers | | | |
| 12. | Record of default with the information utility, if any | | | |
| 13. | List of documents attached to this application in order to prove the existence of debt and the amount in default | | | |
| 14. | Statement by guarantor in respect of excluded debts | I / guarantor/ hereby state that the debt(s) for which the bankruptcy process application is filed | | |

| | |
|--|---|
| | does not include any- (i) liability to pay fine imposed by a court or tribunal; (ii) liability to pay damages for negligence, nuisance or breach of a statutory, contractual or other legal obligation; (iii) liability to pay maintenance to any person under any law for the time being in force; (iv) liability in relation to a student loan; (v) any other debt prescribed under section 79(15)(e) of the Code. |
|--|---|

Part-IV

| PARTICULARS OF & DECLARATION BY INSOLVENCY PROFESSIONAL (IF PROPOSED TO ACT AS BANKRUPTCY TRUSTEE) | | | |
|---|--|--|-----------|
| 1. | Title and full name | | |
| 2. | Address | Present | Permanent |
| | | | Business |
| 3. | E-mail address(es) | | |
| 4. | Contact number | Home | Mobile |
| | | | Business |
| 5. | Declaration by insolvency professional | <p>I, [<i>name of insolvency professional</i>], an insolvency professional registered with [<i>name of insolvency professional agency</i>] having registration number [<i>registration number</i>] have been proposed as the insolvency professional by [<i>name of applicant guarantor</i>] in connection with the proposed bankruptcy process of [<i>name of the guarantor</i>].</p> <p>I hereby:</p> <p>(i) agree to accept appointment as the insolvency professional if an order of appointment is passed by the Adjudicating Authority;</p> <p>(ii) state that the registration number allotted to me by the Board is [<i>insert registration number</i>] and that I am currently qualified to practice as an insolvency professional;</p> <p>(iii) disclose that I am currently serving as an insolvency professional / resolution professional / liquidator/ bankruptcy trustee in [<i>insert number and details of the proceedings</i>];</p> <p>(iv) certify that there are no disciplinary proceedings pending against me with the Board or [<i>name of the insolvency professional agency he is a member of</i>];</p> | |

| | | |
|--|--|--|
| | | <p>(v) affirm that I am eligible to be appointed as an insolvency professional in respect of the debtor in accordance with Regulation 3 of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Bankruptcy Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Regulations, 2019;</p> <p>(vi) make the following disclosures in accordance with the code of conduct for insolvency professionals as set out in the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Professionals) Regulations, 2016 [<i>insert disclosures, if any</i>].</p> <p>(Signature of the insolvency professional)</p> |
|--|--|--|

Yours sincerely,

| |
|---|
| Signature of guarantor / person authorized to act on behalf of the guarantor [<i>Please enclose the authorisation document if this application is being submitted on behalf of the guarantor</i>] |
| Name in block letters |
| Address of person signing |

DECLARATION

I, [*Name of applicant*], currently residing at [*insert address*], hereby declare and state as follows:

1. In respect of my application for bankruptcy, I have relied on the documents specified below: [*Please list the documents relied on*].
2. The contents of the said application along with the said documents are true, valid and genuine to the best of my knowledge, information and belief and no material facts have been concealed therefrom.

Date:

Place:

(Signature of the applicant)

VERIFICATION

I, [*name of applicant*], do hereby verify that the contents of this application are true and correct to my knowledge and belief. Nothing is false and nothing material has been concealed therefrom.

Verified at _____ on this _____ day of _____ 20__

Applicant's signature.

ATTACHMENTS: List of documents to be appended to the application:

1. All records of the insolvency resolution process in respect of the guarantor, including the following-
 - (i) Application for the insolvency resolution process;
 - (ii) Order(s) of the Adjudicating Authority-
 - (a) accepting / rejecting the application under serial number (i) above under section 100 of the Code, as the case may be;
 - (b) approving / rejecting the repayment plan under section 114 of the Code, as the case may be;
 - (c) declaring that the repayment plan has not been fully implemented under section 118 and entitling the debtor to apply for bankruptcy, as the case may be;
 - (d) any other order that may have been passed by the Adjudicating Authority in relation to the insolvency resolution process.
2. All documents mentioned in serial number 13 of Part III of this form.
3. Copy of the income tax returns with detailed computation of the income of the guarantor, or the firm, as the case may be, for the previous three years.
4. Copy of the personal guarantee contract.
5. Copies of entries in a bankers book in accordance with the Bankers Books Evidence Act, 1891 (18 of 1891)
6. The latest and complete copy of the financial contract reflecting all amendments and waivers to date.
7. Copies of relevant ownership and title documents for all assets.
8. Copy of the authorisation, wherever required under this form.
9. Proof that the application fee has been paid.
10. Documentary evidence of all information sought in each entry for each part of the form.
11. A statement of affairs of the guarantor made up to a date not earlier than two days from the date of the application including the following information and supporting documents, namely-
 - (i) debtor's assets (inclusive of excluded assets) and liabilities for the previous three years;
 - (ii) secured and unsecured debts (inclusive of excluded debts mentioned in serial number 14 of Part III of the form) with names of the creditors, and all requisite details for the previous three years;
 - (iii) particulars of debt owed by guarantor to associates of the guarantor for the previous three years;
 - (iv) guarantees given in relation to any of the debts of the guarantor, and if any of the guarantors is an associate of the guarantor;
 - (v) financial statements with all annexures and schedules for the business owned by the guarantor, or of the firm in which the guarantor is a partner, as the case may be, for the previous three years, if applicable;
 - (vi) wealth tax statements filed by the guarantor, if any, for the previous five years.
 - (vii) Income statement of the guarantor, for the previous three years.
 - (viii) Payment of indirect taxes including GST for the previous three years.

FORM B

[See rule 7(1)]

APPLICATION BY CREDITOR TO INITIATE BANKRUPTCY PROCESS

[Under rule 7 of the Insolvency and Bankruptcy (Application to Adjudicating Authority for Bankruptcy Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Rules, 2019]

[Date].....

To,

The Adjudicating Authority
[Address]

From,

[Name and address of the creditor]

In the matter of [name of the guarantor]

Subject: Application to initiate bankruptcy process in respect of [name of the guarantor] under the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016.

Madam/Sir,

[Name of the creditor], hereby submits this application to initiate a bankruptcy process in the case of [name of guarantor]. The details for the purpose of this application are set out below:

Part - I

| PARTICULARS OF APPLICANT | | | | | |
|--------------------------|-----------------------------------|----------------|-----------|----------|-------|
| 1. | Title and full name | | | | |
| 2. | Date of birth and e-mail address | | | | |
| 3. | Contact number(s) | Home | Mobile | Business | |
| | | | | | |
| 4. | Identification number of creditor | Aadhaar number | CIN | PAN | GSTIN |
| | | | | | |
| 5. | Address | Present | Permanent | Business | |
| | | | | | |

Part – II

| PARTICULARS OF THE GUARANTOR | | | |
|------------------------------|--|---------|-----------|
| 1. | Title and full name | | |
| 2. | Date of birth and e-mail address (to the extent known) | | |
| 3. | Any other name by which the guarantor is or has been known (as applicable) (to the extent known) | | |
| 4. | Address | Present | Permanent |
| | | | |
| 5. | Occupation/ Business/ Profession | | |
| 6. | Annual income (to the extent known) | | |

| | | | | | | | |
|-----|--|---|--|-----------------|--|-------------------------------------|--|
| 7. | List of associates of the guarantor, including relatives, who may be creditors (to the extent known) | Name | | Age | | Address | |
| | | | | | | | |
| 8. | Bank account details (Joint and Several) | Account number | | IFSC code | | Name of the Bank and Branch address | |
| | | | | | | | |
| 9. | Identification numbers | Aadhaar number | | Passport number | | PAN | |
| | | | | | | | |
| 10. | Contact number(s) | Home | | Mobile | | Business | |
| | | | | | | | |
| 11. | List of assets of guarantor as on the application date (to the extent known) Note: this will include all assets of debtor, irrespective of them being excluded assets. | Immovable | | Description | | Estimated value | |
| | | Movable | | Description | | Estimated value | |
| | | Vehicles | | | | | |
| | | Shares in listed companies | | | | | |
| | | Shares in other companies | | | | | |
| | | Life insurance policy | | | | | |
| | | Jewelry | | | | | |
| | | Pension policy | | | | | |
| | | Investment in mutual funds | | | | | |
| | | Investment in other funds | | | | | |
| | | Investment in partnerships and other business concerns, | | | | | |
| | | Any other movable property | | | | | |
| 12. | Number of directorships held in the last three years (along with name of company in which directorship is held and Director Identification Number) and CIN of such companies (to the extent known) | | | | | | |

| | | |
|-----|--|--|
| 13. | Marital status (single, married, divorced, widowed, co-habiting, separated, or specify any other) (to the extent known) | |
| 14. | Details regarding guarantee given by guarantor (in addition to information in serial numbers 1-13 of this part)- | |
| | Name of corporate debtor for which guarantee is given | |
| | Any current or past position held in the corporate debtor (to the extent known) | |
| | Identification number of the corporate debtor | |
| | Whether corporate debtor is an associate (to the extent known) | |
| | Any securities held in corporate debtor for whom guarantee is given | |
| 15. | Where the guarantor is not a resident in India, the name and address of the person authorised to accept the service of process on guarantor's behalf, along with the authority | |

Part-III

| PARTICULARS OF DEBT | | |
|---------------------|--|--|
| 1. | Total debt (including any interest or penalties) | |
| 2. | Amount in default | |
| 3. | Date on which debt was due | |
| 4. | Date on which default occurred | |
| 5. | Nature of the debt | |
| 6. | Secured debt including particulars of security held, the date of its creation, its estimated value as per the creditor (as applicable) | |
| 7. | Unsecured debt (as applicable) | |
| 8. | Details of retention of title arrangements (if any) in respect of goods to which the debt refers (attach a copy) | |
| 9. | Details of any mutual credit, mutual debts, or other mutual dealings between the guarantor and the creditor, which may be set-off against the claim (attach proof) | |

| | | |
|-----|---|--|
| 10. | Particulars of an order of a court, tribunal or arbitral panel adjudicating on the default, if any (attach a copy of the order) | |
| 11. | Record of default with the information utility, if any (attach a copy) | |
| 12. | Details of succession certificate, or probate of a will, or letter of administration, or court decree (as may be applicable), under the Indian Succession Act, 1925 (10 of 1925) (attach a copy) | |
| 13. | Provision of law, contract or other document under which debt has become due (attach a copy) | |
| 14. | A statement of bank account where deposits are made or credits received normally by the creditor in respect of the debt of the debtor (attach a copy) | |
| 15. | List of documents attached to this notice in order to prove the existence of debt and the amount in default | |
| 16. | Statement by the secured creditor under section 123(2) of the Code | <p>Tick whichever is applicable-</p> <p><input type="checkbox"/> In the event a bankruptcy order accepting the application is passed by the Adjudicating Authority, I shall relinquish my security mentioned in serial number 6 for the benefit of all the creditors of the debtor.</p> <p><input type="checkbox"/> The application is only in respect of unsecured debt as per the details mentioned in serial number 7.</p> |
| 17. | Statement by creditor in respect of excluded debts | <p>I [<i>creditor</i>] hereby state that the debt(s) for which the bankruptcy process application is filed does not include any-</p> <p>(i) liability to pay fine imposed by a court or tribunal;</p> <p>(ii) liability to pay damages for negligence, nuisance or breach of a statutory, contractual or other legal obligation;</p> <p>(iii) liability to pay maintenance to any person under any law for the time being in force;</p> <p>(iv) liability in relation to a student loan;</p> <p>(v) any other debt prescribed under section 79(15)(e) of the code.</p> |

Part-IV

| PARTICULARS OF & DECLARATION BY INSOLVENCY PROFESSIONAL (IF PROPOSED TO ACT AS BANKRUPTCY TRUSTEE) | | | |
|--|--|---|-----------|
| 1. | Title and full name | | |
| 2. | Address | Present | Permanent |
| | | | |
| 3. | E-mail address(es) | | |
| 4. | Contact number | Home | Mobile |
| | | | |
| 5. | Declaration by insolvency professional | <p>I, <i>[name of insolvency professional]</i>, an insolvency professional registered with <i>[name of insolvency professional agency]</i> having registration number <i>[registration number]</i> have been proposed as the insolvency professional by <i>[name of applicant guarantor]</i> in connection with the proposed bankruptcy process of <i>[name of the guarantor]</i>.</p> <p>I hereby:</p> <p>(i) agree to accept appointment as the insolvency professional if an order of appointment is passed by the Adjudicating Authority;</p> <p>(ii) state that the registration number allotted to me by the Board is <i>[insert registration number]</i> and that I am currently qualified to practice as an insolvency professional;</p> <p>(iii) disclose that I am currently serving as an insolvency professional / resolution professional / liquidator/ bankruptcy trustee in <i>[insert number and details of the proceedings]</i>;</p> <p>(iv) certify that there are no disciplinary proceedings pending against me with the Board or <i>[name of the insolvency professional agency he is a member of]</i>;</p> <p>(v) affirm that I am eligible to be appointed as an insolvency professional in respect of the debtor in accordance with regulation 3 of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Bankruptcy Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Regulations, 2019;</p> <p>(vi) make the following disclosures in accordance with the code of conduct for insolvency professionals as set out in the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Professionals) Regulations, 2016 <i>[insert disclosures, if any]</i>.</p> <p>(Signature of the insolvency professional)</p> | |

Yours sincerely,

| |
|---|
| Signature of creditor/ person authorised to act on behalf of the creditor [<i>Please enclose the authorisation document if this application is being submitted on behalf of the creditor</i>] |
| Name in block letters |
| Address of person signing |

List of documents to be attached to the application:

1. All records of the insolvency resolution process in respect of the guarantor, including the following-
 - (i) Application for the insolvency resolution process;
 - (ii) Order(s) of the Adjudicating Authority-
 - (a) accepting / rejecting the application under serial number (i) above, as the case may be;
 - (b) approving / rejecting the repayment plan, as the case may be;
 - (c) entitling the creditor to apply for bankruptcy;
 - (iii) any other order that may have been passed by the Adjudicating Authority in relation to the insolvency resolution process.
2. All documents mentioned in serial number 15 of Part III of this form.
3. Copy of the income tax returns with detailed computation of the income of the guarantor, or the firm, as the case may be, for the previous three years, if available.
4. Copy of the personal guarantee contract.
5. Copy of the authorisation, wherever required under this form.
6. Proof that the application fee has been paid.
7. Documents evidencing the debt and the default in relation to the debt, as may have been provided by the guarantor at any point in time, if available.
8. Documents evidencing the assets, liabilities, income and any other relevant information as may have been provided by the guarantor at any point in time, if available.
9. Documentary evidence of all information sought in each entry for each part of the form.

Form C

[See rule 9 (1)]

Public Notice

[Under rule 9(1) of the Insolvency and Bankruptcy (Application to Adjudicating Authority for Bankruptcy Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Rules, 2019]

FOR THE ATTENTION OF THE CREDITORS OF [Full Name and title of Bankrupt (personal guarantor of (name of corporate debtor))]

Notice is hereby given that the [Debt Recovery Tribunal/National Company Law Tribunal in case of bankrupt under section 60 of the Code] has ordered the commencement of a bankruptcy process against the [name of bankrupt] residing at [last known address of the bankrupt] on [bankruptcy commencement date].

The creditors of [name of the bankrupt], are hereby called upon to submit their claims with proof on or before [insert the date falling seven days from date of issue of public notice] to the bankruptcy trustee at [address].

The last date for submission of claims of creditors shall be [date]. The creditors may submit their claims through electronic means, or by hand or registered post or speed post or courier.

Additional details of the bankruptcy trustee: [Name, last known address, e-mail address, phone number and the registration number of the bankruptcy trustee]

Note: Submission of false or misleading claims with proof shall attract penalties or imprisonment in accordance with the provisions of the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 and any other applicable laws.

Date and Place:

FORM D

[See rule 10(1)]

NOTICE TO CREDITOR

[Under rule 10 of the Insolvency and Bankruptcy (Application to Adjudicating Authority for Bankruptcy Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Rules, 2019]

To

[Name and address of creditor]

From

[Adjudicating Authority]

Notice is hereby given that the [Debt Recovery Tribunal/National Company Law Tribunal in case of bankrupt under section 60 of the Code] has ordered the commencement of a bankruptcy process against the [title and full name of bankrupt] residing at [last known address of the bankrupt] on [bankruptcy commencement date].

You have been mentioned as a creditor of the bankrupt as per the documents submitted in the application for the bankruptcy process. You are hereby called upon to submit a claim with proof of the debt due to you on or before [insert the date falling seven days from date of issue of public announcement] to the bankruptcy trustee at [address].

The last date for submission of claims shall be [date]. You may submit your claim through electronic means, or by hand or registered post or speed post or courier.

Additional details of the bankruptcy trustee: [Name, last known address, e-mail address, phone number and the registration number of the bankruptcy trustee]

Note: Submission of false or misleading claims with proof shall attract penalties or imprisonment in accordance with the provisions of the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 and any other applicable laws.

Date and Place:

FORM E

[See rule 11]

STATEMENT OF FINANCIAL POSITION OF BANKRUPT

[Under rule 11 of the Insolvency and Bankruptcy (Application to Adjudicating Authority for Bankruptcy Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Rules, 2019]

Part I

| RELEVANT PARTICULARS | | | | |
|----------------------|--|----------------|-----------|------------------------------|
| 1. | Full name of bankrupt | | | |
| 2. | Address | Present | Permanent | Business |
| | | | | |
| 3. | Bank account details (Joint and Several) | Account Number | IFSC Code | Name of Bank and Bank Branch |
| | | | | |

| | | | | | |
|------|--|--|-------------|-----------------|-----------------------|
| 4. | List of assets of bankrupt and immediate family as on the application date for the previous three years. Note: this will include all assets of bankrupt, irrespective of them being excluded assets. Please mention the assets which may be excluded assets. | Immovable property | Description | Estimated value | Excluded asset or not |
| | | | | | |
| | | Movable property | Description | Estimated value | Excluded asset or not |
| | | Vehicles | | | |
| | | Shares in listed companies | | | |
| | | Shares in other companies | | | |
| | | Life insurance policy | | | |
| | | Jewellery | | | |
| | | Pension policy | | | |
| | | Investment in mutual funds | | | |
| | | Investment in other funds | | | |
| | | Investment in partnerships and other business concerns | | | |
| | | Any other property not covered above | | | |
| 5. | The following information is required in relation to the guarantee given by the guarantor: | | | | |
| i. | Name of corporate debtor for which guarantee is given | | | | |
| ii. | Any current or past position held in the corporate debtor | | | | |
| iii. | Whether corporate debtor is an associate | | | | |
| iv. | Any securities held in corporate debtor for whom guarantee is given | | | | |

| | | |
|----|---|--|
| 6. | Name and address of person resident in India authorised to accept the service of process on bankrupt's behalf (if applicable) | |
|----|---|--|

Part II

| FINANCIAL INFORMATION | | |
|------------------------------|--|--|
| 1. | Statement of assets and liabilities for the previous three years | |
| 2. | Secured and unsecured debts, with complete details of the creditors including name and postal address, the total amount due, amount in default and details of the security, for the previous three years | |
| 3. | Details of the debts owed to associates of the bankrupt, for the previous three years | |
| 4. | Details of guarantees given in relation to any of the debts of the guarantor, and if any of the guarantors is an associate of the guarantor | |
| 5. | Details of the business owned by the bankrupt, or of the firm in which the bankrupt is a partner, as the case may be, for the previous three years, if applicable | |
| 6. | Details of the wealth tax statements filed by the bankrupt, if any, for the previous five years. | |
| 7. | Details of trusts held by bankrupt and/or immediate family of bankrupt | |
| 8. | Any other relevant information | |

FORM F

[See rule 12(1)]

CLAIM WITH PROOF BY A CREDITOR

[Under rule 12 of the Insolvency and Bankruptcy (Application to Adjudicating Authority for Bankruptcy Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Rules, 2019]

[Date]

To

The Bankruptcy Trustee

[Name of the Bankruptcy Trustee]

[Address as set out in public notice]

From

[Name and address of the creditor]

Subject: Submission of claims with proof.

Madam/Sir,

[Name of the creditor], hereby submits this proof of claim in respect of the bankruptcy process in the case of [name of bankrupt]. The details for the same are set out below:

| S. No. | Particulars | | | | |
|--------|--|---|---------|-----------|----------|
| 1. | Title and full name of creditor | | | | |
| 2. | Identification number of creditor | Aadhar | PAN | CIN | GSTIN |
| 3. | | Address | Present | Permanent | Business |
| 4. | Total amount of claim (Including any interest as at the bankruptcy commencement date) | | | | |
| 5. | | Details of documents by reference to which the debt can be substantiated. | | | |
| 6. | Details of any dispute as well as the record of such dispute Note: 'Dispute' will include suits, arbitration proceedings, and other judicial proceedings contesting the existence or validity of the debt. | | | | |
| 7. | Details of how debt was incurred and the date when debt incurred | | | | |
| 8. | Details of any mutual credit, mutual debts, or other mutual dealings between the bankrupt and the creditor which may be set-off against the claim | | | | |
| 9. | Details of any retention of title arrangements in respect of goods or properties to which the claim refers | | | | |
| 10. | Details of the bank account to which the amount of the claim or any part thereof can be transferred pursuant to a repayment plan | | | | |
| 11. | Details of any security held (including value and date when it was given) | | | | |

| | | |
|--|---|--|
| 12. | For secured creditors only | |
| | Tick whichever is applicable – <input type="checkbox"/> security interest is being enforced <input type="checkbox"/> Security interest is being relinquished. | |
| | If security is being relinquished, please complete the statement of relinquishment of security interest in the column on the right. | I, [<i>name of secured creditor</i>], hereby release and relinquish my security interest and any claim, right, lien or interest in any property based on such security interest, other than the right to receive dividends as per the Code, in [<i>insert description of the subject and nature of security interest</i>], which was created by [<i>name of bankrupt</i>], on [<i>insert date of creation of security interest</i>] on account of [<i>insert description of circumstances leading to creation of security interest</i>]. <i>Signature of the secured creditor, or the authorised signatory.</i> |
| | If security is being realised, provide details of any action that has been taken to enforce / realise the security. | |
| | If security is being realised, specify balance amount of debt which is being claimed. | |
| 13. | List of documents attached to this proof of claim in order to prove the existence and non-payment of claim due to the creditor | |
| 14. | Details of bank account to which the share of creditor's proceeds from bankruptcy can be deposited. | |
| Signature of creditor or person authorised to act on his behalf [<i>Please enclose the authority if this is being submitted on behalf of a creditor</i>] | | |
| Name in block letters | | |
| Address of person signing | | |

DECLARATION

I, [*name of claimant*], currently residing at [*insert address*], declare and state as follows:

1. [*Name of bankrupt*], the debtor was, at the bankruptcy commencement date, being the _____ day of _____ 20__, justly and truly indebted to me to the sum of INR [*insert amount of claim*].

2. In respect of my claim of the said sum or any part thereof, I have relied on the documents specified below:

[*Please list the documents relied on as evidence of claim*]

3. The said documents are true, valid and genuine to the best of my knowledge, information and belief.

4. In respect of the said sum or any part thereof, I have not, nor has any person by my order, to my knowledge or belief, for my use, had or received any manner of satisfaction or security whatsoever, save and except the following:

[*Please state details of any mutual credit, mutual debts, or other mutual dealings between the bankrupt and the creditor which may be set-off against the claim.*]

Date:

Place:

(Signature of the claimant)

VERIFICATION

I, [*Name*], the claimant hereinabove, do hereby verify that the contents of this claim with proof are true and correct to my knowledge and belief and no material facts have been concealed therefrom.

Verified at _____ on this _____ day of _____ 201__

(Claimant's signature)

[F. No. 30/21/2018-Insolvency Section]
GYANESHWAR KUMAR SINGH, Jt. Secy.